मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

# उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 8 अंक 01
मंगलवार, 08 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

## कई देशों की जीडीपी से बड़ा है भारत का रक्षा बजटः राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली, 07 जुलाई।** केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा आयोजित नियंत्रक सम्मेलन को संबोधित कया। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि अगर आप हमारे रक्षा बजट को देखें तो यह दुनिया के कुछ देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा है। जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित किया जाता है, तो हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। हमें प्रभावी विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा रक्षा व्यय ऐसा होना चाहिए कि न केवल बजट बढ़े, बल्कि हम इसका सही तरीके से उपयोग भी कर सकें - सही समय पर सही उद्देश्य के लिए उचित तैनाती के जरिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार GeM पोर्टल से पूंजीगत खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। मुझे यह भी बताया गया है कि विभाग रक्षा कर्मियों के लिए व्यापक वेतन प्रणाली और केंद्रीकृत डेटाबेस प्रबंधन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा क दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो पराक्रम दिखाया है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की क्षमता का प्रदर्शन किया है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है - इतना बड़ा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि हमारे इस विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर हिसाब-किताब रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के सुरक्षा ढांचे का एक अहम हिस्सा है। जब आप अपना काम ईमानदारी और क्षमता के साथ करते हैं, तो उसका असर सीमा पर तैनात जवानों तक होता है। उन्हें भरोसा होता है, कि उनके पीछे एक मजबूत व्यवस्था है, जो हर परिस्थिति में उनका साथ देगी। उन्होंने कहा कि रक्षा लेखा विभाग का नया आदर्श वाक्य ही अपने आप में बहुत कुछ कह देता है। अब इस संस्थान का आदर्श वाक्य- सतर्क, चुस्त, अनुकूल है। ये शब्द अपने आप में आपके कार्य संस्कृति का सार है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी संगठन में, परिवर्तनकारी सुधार लाने के दो तरीके होते हैं। कई बार हम देखते हैं, कि कई संगठन, बाहरी रिपोर्ट के माध्यम से इस कार्य को करते हैं। जिसमें कई बार परामर्शदाता कंपनियाँ की भी मदद ली जाती है। कई बार कुछ सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है। यह एक अच्छी बात है, इससे कई बार कुछ नए ताजा विचार इन संस्थानों में आते हैं, और इनकी उत्पादकता निश्चित रूप से बढ़ती है।

## मनाली में कार खाई में गिरी, चार लोगों की मौत

**मनाली, 07 जुलाई।** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में मनाली और रोहतांग दर्रे के बीच रानी नाले के पास रविवार को एक कार के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त मारुति ऑल्टो कार की पंजीकरण संख्या एचपी01के-7850 थी और उसके पास वैध रोहतांग परमिट था। उसने बताया कि सुबह हादसा हुआ और नाले के नजदीक कार फिसलकर खाई में गिर गई। हादसे के समय वाहन में पांच लोग सवार थे। राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा रोहतांग में व्यावसायिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से प्रशासन प्रतिदिन इस मार्ग पर केवल सीमित वाहनों को ही परमिट प्रदान करता है।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान पंजाब के होशियारपुर निवासी रंजीत सिंह (31), हरविंदर सिंह (27) और कुल्लू निवासी एवं वाहन चालक नरेंद्र कुमार (34) के रूप में हुई है, जबकि एक मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उसने बताया कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि होशियारपुर निवासी रवि कुमार (24) गंभीर रूप से घायल हो गया। यहां जारी एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दुखद सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

## 5 हजार स्कूलों के विलय को हाईकोर्ट की हरी झंडी, 51 बच्चों की याचिका खारिज

**इलाहाबाद, 07 जुलाई।** इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक महत्वपूर्ण कानूनी फैसले में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य भर के 5,000 स्कूलों के विलय के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। न्यायालय ने सीतापुर के 51 बच्चों द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिन्होंने विलय प्रक्रिया को रोकने की मांग की थी, उनका दावा था कि इससे उनकी शिक्षा प्रभावित होगी। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की अगुवाई वाली एकल न्यायाधीश पीठ ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की योजना को बरकरार रखा, जिससे स्कूलों के विलय का रास्ता साफ हो गया। याचिकाकताओं ने तर्क दिया था कि कम छात्रों वाले स्कूलों को बड़े संस्थानों में एकीकृत करने से शिक्षण का माहौल बाधित होगा। हालांकि, न्यायालय ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया और राज्य के फैसले के पक्ष में फैसला सुनाया। विलय योजना कम नामांकन संख्या वाले स्कूलों के कामकाज को अनुकूलित करने के लिए राज्य सरकार की व्यापक पहल का हिस्सा है। सरकार ने लगभग 5,000 स्कूलों की पहचान की है जहाँ छात्र संख्या काफी कम है, जिससे वे स्वतंत्र रूप से संचालित करने में अक्षम हैं। योजना के अनुसार, इन स्कूलों को आस-पास के उन स्कूलों में विलय कर दिया जाएगा जहाँ नामांकन संख्या अधिक है, जबकि कम उपयोग वाले परिसरों को बंद कर दिया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत, छोटे स्कूलों के छात्रों को अन्य नजदीकी संस्थानों में शामिल किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है और छात्रों को अधिक मजबूत शिक्षण वातावरण तक पहुँच प्रदान करना है।

## संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह, इसे नहीं बदला जा सकताः उपराष्ट्रपति

**नई दिल्ली, 07 जुलाई।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह है और इसे बदला नहीं जा सकता, चाहे कोई कितनी भी कोशिश कर ले। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल ही दो ऐसे संवैधानिक पद हैं जो उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों और न्यायाधीशों जैसे अन्य पदाधिकारियों से अलग शपथ लेते हैं। हम सभी - उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य - संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं, लेकिन माननीय राष्ट्रपति और माननीय राज्यपाल संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और बचाव करने की शपथ लेते हैं। इस प्रकार, उनकी शपथ न केवल बहुत अलग है, बल्कि यह उन्हें संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और बचाव करने के भारी कार्य के लिए बाध्य भी करती है।

कोच्चि स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से किसी भी देश की प्रस्तावना में कभी बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बदलाव किया गया था। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना को लेकर कई मुद्दे रहे हैं। भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह है। आप चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, आप अपने माता-पिता की भूमिका को नहीं बदल सकते। यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में न्यायपालिका पर लोगों का बहुत भरोसा और सम्मान है। लोग न्यायपालिका पर उतना भरोसा करते हैं जितना किसी और संस्था पर नहीं।

अगर संस्था पर उनका भरोसा खत्म हो गया तो हम एक गंभीर स्थिति का सामना करेंगे। 1.4 बिलियन की आबादी वाले देश को नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई संस्था न्यायपालिका, कार्यपालिका या विधायिका दूसरे के क्षेत्राधिकार में घुसपैठ करती है, तो इससे सब कुछ अस्त-व्यस्त हो सकता है। इससे असहनीय समस्याएँ पैदा हो सकती हैं जो हमारे लोकतंत्र के लिए संभावित रूप से बहुत खतरनाक हो सकती हैं।

धनखड़ ने कहा कि उदाहरण के लिए, न्याय-निर्णय न्यायपालिका के भीतर ही होना चाहिए। निर्णय न्यायपालिका द्वारा लिखे जाने चाहिए - विधायिका या कार्यपालिका द्वारा नहीं। इसी तरह, कार्यकारी कार्य कार्यकारी द्वारा किए जाते हैं, क्योंकि आप चुनावों के माध्यम से राजनीतिक कार्यकारी को चुनते हैं। वे आपके प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें कार्य करना होगा। लेकिन यदि कार्यकारी कार्य विधायिका या न्यायपालिका द्वारा किए जाते हैं - तो यह शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के सार और भावना के विपरीत होगा।

## राहुल गांधी ने फिर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

**नई दिल्ली, 07 जुलाई।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार पर जेन स्ट्रीट पर सेबी की विस्फोटक कार्रवाई को लेकर तीखा हमला किया, जिसने भारत के 6.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजी बाजार के बुनियादी ढांचे में भूचाल ला दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैंने 2024 में साफ कहा था - F&O बाजार 'बड़े खिलाड़ियों' का खेल बन चुका है, और छोटे निवेशकों की जेब लगातार कट रही है। अब SEBI खुद मान रहा है कि जेन स्ट्रीट ने हजारों करोड़ की चालाकी की। एएइक इतने समय तक चुप क्यों रही?

राहुल गांधी ने सवाल किया कि मोदी सरकार किसके इशारे पर आंखें मूंदे बैठी थी? और कितने बड़े शार्क अब भी रिटेल इन्वेस्टर्स को शॉर्ट कर रहे हैं? हर मामले में साफ दिख रहा है - मोदी सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है, और आम निवेशकों को बबार्दी की कगार पर धकेल दिया है। जेन स्ट्रीट अमेरिका में स्थित एक प्रसिद्ध स्वामित्व वाली ट्रेडिंग फर्म है, जो 45 से अधिक देशों में सक्रिय है। सेबी ने हाल ही में इस फर्म पर भारत में स्टॉक और इंडेक्स की कीमतों में हेरफेर करके अपने ऑप्शन ट्रेड को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है। सेबी के अनुसार, जेन स्ट्रीट ने पहले कीमतों को बढ़ाने के लिए स्टॉक खरीदकर और फिर बाद में ऑप्शन सेगमेंट में गिरती कीमतों से पैसे बनाने के लिए उन्हें बेचकर भारी मुनाफा कमाया।

नियामक ने इन ट्रेडों से जुड़े 4,800 करोड़ रुपये से अधिक के मुनाफे को फ्रीज कर दिया है और जेन स्ट्रीट और इसकी भारतीय शाखा को बाजार में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने चल रही जांच के तहत उनके बैंक और डीमैट खातों को भी फ्रीज कर दिया है। जेन स्ट्रीट ग्रुप (जेएस ग्रुप) से जुड़ी चार संस्थाओं- जेएसआई इन्वेस्टमेंट्स, जेएसआई2 इन्वेस्टमेंट्स, जेन स्ट्रीट सिंगापुर और जेन स्ट्रीट एशिया ट्रेडिंग- को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिभूतियों में सौदे करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

## पांच करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त, दो लोग गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली के शास्त्री पार्क में एक व्यापारी और एक किराना दुकान के सहायक को हेरोइन की खेप पहुंचाने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दो आरोपियों- अनस खान (26) और सुधीर कुमार उर्फ ऋतिक (27) के पास से पांच करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों व्यक्तियों को एक जुलाई को जीरो पुस्ता रोड पर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल के पास उस समय रोका गया जब वे एक कार से हेरोइन की खेप पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि कुल हेरोइन में से खान के पास से 527 ग्राम और कुमार के पास से 526 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। अधिकारी ने कहा, पूछताछ के दौरान दोनों ने कबूल किया कि वे उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी अवनीश से हेरोइन खरीद रहे थे।

## तमिलनाडु में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से श्रमिक की मौत

**तमिलनाडु।** विरुदुनगर के निकट एक गांव में रविवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में एक श्रमिक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस सिलसिले में एक फैक्टरी के फोरमैन को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि केलाथायिलपट्टी गांव में आतिशबाजी इकाई में हुआ विस्फोट विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान रसायनों के बीच घर्षण के कारण हुआ है। अधिकारी ने बताया कि करीब 50 वर्षीय एक श्रमिक की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

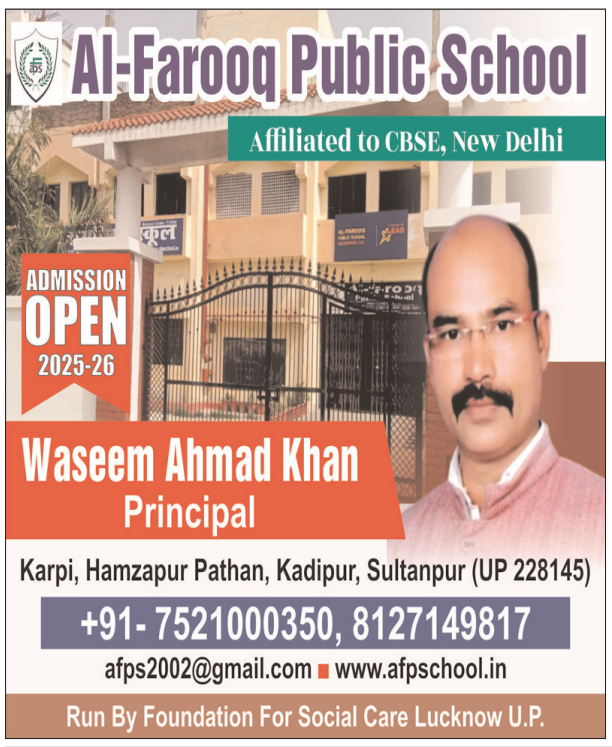

# ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

-ललित गर्ग -



-ललित गर्ग

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ ह्यकायरतापूर्णह्व आतंकवादी हमला भारत की ह्यआत्मा, पहचान और गरिमाह्व पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राजील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया।

भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरूआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरूआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, ह्यबीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। ह्यवसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

# चिराग पासवान के बिहार की सभी सीटों से चुनाव लड़ने से किसका खेल बिगड़ेगा



अशोक भाटिया

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले शुक्रवार को राजनीति से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपने एक बयान से बीजेपी और जेडीयू की मुश्किलें बढ़ा दीं है। चिराग पासवान ने बिहार में सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए में शामिल है। नीतिश कुमार की जेडीयू भी एनडीए का हिस्सा है। यानि लोजपा, भाजपा और जेडीयू बिहार मे इस समय साथ-साथ हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि चिराग पासवान क्या अपने सहयोगी दलों से अलग होकर सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।चिराग के इस ऐलान ने फिलहाल भाजपा और जेडीयू को सकते में डाल दिया है। बता दें कि चिराग पासवान इस समय एनडीए की मोदी सरकार में मंत्री भी हैं।चिराग पासवान ने रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में रविवार को आयोजित 'नव संकल्प महासभा' को संबोधित करते हुए कहा कि वह बिहार के हित में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके विरोधी उनके रास्ते में रोड़ा अटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

एलजेपीआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि खुद को बहुत लंबे समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं देखता। उन्होंने यह भी कहा है कि बिहार वापस जाना चाहता हूं।चिराग पासवान ने कहना है कि मेरे राजनीति में आने का कारण बिहार और बिहारी रहे हैं। जिस सोच के साथ राजनीति में आया हूं, वह ये है कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों की श्रेणी में आए। उन्होंने कहा कि यही मेरी इच्छा है और तीसरी बार सांसद बनकर मुझे समझ आया कि दिल्ली में रहकर बिहार के लिए काम करना संभव नहीं होगा। चिराग ने कहा कि मेरा अपना एक विजन भी है 'बिहार फर्स्ट,बिहारी फर्स्ट'।

चिराग पासवान का कहना है कि कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों की बराबरी पर आकर खड़ा हो, यह चाहता हूं। चिराग ने यह भी कहा कि पार्टी के सामने अपनी इच्छा रखी थी। जल्द वापस बिहार जाना चाहता हूं। मेरे विधानसभा चुनाव लड़ने से पार्टी को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी इसका आकलन कर रही है। हम चाहे जितनी सीटों पर भी चुनाव लड़ें, हमारा ध्यान स्ट्राइक रेट पर है।चिराग ने कहा कि मेरे चुनाव लड़ने से मेरी पार्टी और मेरे गठबंधन का प्रदर्शन अगर बेहतर होता है, तो जरूर लड़ूंगा। गौरतलब है कि एक दिन पहले चिराग पासवान ने कहा था कि पार्टी की तरफ से मेरे विधानसभा चुनाव लड़ने का प्रस्ताव आया है। उन्होंने यह भी कहा था कि इस पर अभी और विस्तार से चर्चा होगी। पार्टी ने प्रस्ताव दिया है कि सामान्य सीट से चुनाव लड़ूं। हालांकि, अभी इस पर और चर्चा होना बाकी है।

वैसे चिराग पासवान केंद्र सरकार में मंत्री हैं। केंद्रीय मंत्री रहते हुए अगर वह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं, तो जाहिर है उनका लक्ष्य मंत्री बनना तो नहीं ही होगा। फिर उनका प्लान क्या है? दरअसल, चिराग पासवान जानते हैं कि केंद्रीय राजनीति में भी उनके पैर तब तक ही जमे हैं, जब तक वह बिहार में मजबूत हैं। आखिरकार, उनकी सियासत का बेस तो बिहार ही है। बीजेपी मध्य प्रदेश और राजस्थान से लेकर हरियाणा तक, केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ाती आई है। 2020 के बिहार चुनाव में चिराग की पार्टी शून्य सीट पर सिमट गई थी। खुद मैदान में उतरने के पीछे चिराग की रणनीति यह भी हो सकती है कि शायद इससे एलजेपीआर को कुछ सीटों पर फायदा मिल जाए।

बिहार के वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश अश्क ने कहा कि राजनीति में कोई अस्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता। चिराग की रणनीति कुछ सीटें जीतकर अपनी बारगेनिंग पावर बढ़ाने की हो सकती है, खासकर ऐसे माहौल में जब नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर अनिश्चितता की स्थिति हो। चिराग भी भविष्य के सीएम दावेदारों में गिने जाते हैं, 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' जैसे कैंपेन से अपनी मौजूदगी बनाए रखते हैं। वह बिहार की सियासी पिच खाली नहीं छोड़ना चाहते। जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी कम सीटें होने के बावजूद सीएम बन सकते हैं, निर्दलीय मधु कोड़ा झारखंड के सीएम बन सकते हैं, नीतीश कुमार तीसरे नंबर की पार्टी का नेता होने के बावजूद पांच साल सरकार चला सकते हैं, तो सियासत में कुछ भी हो सकता है। चिराग को भी नीतीश के भविष्य पर संशय में अपने लिए उम्मीद दिख रही है।

साल 2005 में दो बार बिहार विधानसभा के चुनाव हुए थे। पहले चुनाव में त्रिशंकू जनादेश आया था। तब चिराग पासवान के पिता रामविलास पासवान तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में मंत्री थे। केंद्र सरकार में गठबंधन साझीदार होने के बावजूद एलजेपी ने बिहार चुनाव अकेले लड़ा और पार्टी 29 सीटें जीतकर किंगमेकर के तौर पर उभरी। तब आरजेडी 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी और 92 सीटों के साथ एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन। कांग्रेस के 10, सपा के चार, एनसीपी के तीन और लेफ्ट के 11 विधायक थे। आरजेडी को कांग्रेस और इन छोटी पार्टियों के साथ ही केंद्र में गठबंधन सहयोगी एलजेपी के समर्थन से सरकार बना लेने का विश्वास था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

सत्ता की चाबी लेकर घूम रहे रामविलास पासवान ने तब मुस्लिम मुख्यमंत्री की मांग कर पेच फंसा दिया। नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए ने सरकार बनाई, लेकिन अल्पमत की यह सरकार भी अधिक दिनों तक नहीं चल सकी। नीतीश को कुर्सी छोड़नी पड़ी और उसी साल अक्टूबर में दोबार चुनाव हुए। 2005 के दूसरे चुनाव में एलजेपी की सत्ता की चाबी खो गई और एनडीए ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई। इन चुनावों में क्या चिराग भी अपनी पार्टी के लिए सत्ता की चाबी खोज रहे हैं?

चिराग की पार्टी ने जब 2020 में एकला चलो की राह पकड़ी थी, तब भी वही पार्टी के अध्यक्ष थे। तब पार्टी एनडीए में भी थी। हालांकि, चिराग तब केंद्र में मंत्री नहीं थे। 20 साल पहले भी कुछ ऐसा ही हुआ था। तब चिराग के पिता रामविलास पासवान केंद्र सरकार में मंत्री थे। केंद्र में यूपीए की सरकार थी और जब बिहार चुनाव की बारी आई, एलजेपी ने अकेले चुनाव लड़ा। केंद्र की सरकार में साथ होते हुए भी रामविलास पासवान का समर्थन आरजेडी को नहीं मिल पाया और पार्टी सत्ता से ऐसी चूकी कि नीतीश के बगैर सत्ता का स्वाद चखने की स्थिति में कभी आ नहीं पाई। क्या चिराग इस बार एनडीए के लिए वही कहानी दोहरा पाएंगे?

वैसे चिराग ने बिहार सरकार कि आलोचना करने से भी नहीं डर रहे । बिहार की राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के मामले पर चिराग पासवान ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'ऐसी घटनाएं उस सरकार में हो रही हैं, जिसकी पहचान सुशासन की है। मैं भी उस सरकार का समर्थन कर रहा हूं। यह वाकई चिंता का विषय है। मैं इस सवाल से भागने की कोशिश नहीं करूंगा, न ही हमारी सरकार को ऐसा करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर इतनी बड़ी घटना शहरी इलाकों में खुलेआम होती है, अगर इतने पॉश इलाके में होती है, तो यह बहुत गंभीर मामला है। मैं सरकार के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के भी संपर्क में हूं... लेकिन ऐसी घटनाएं हमारी चिंता बढ़ाती हैं .... अगर परिवार (गोपाल खेमका का) डरा हुआ है, तो यह जायज है। यह ऐसा परिवार है जिसने पहले भी इसका सामना किया है। क्या स्थानीय प्रशासन ने परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई?..... यह प्रशासन की जिम्मेदारी थी।'चिराग पासवान ने कहा कि हत्या चाहे राजधानी पटना में हो या बिहार के किसी दूर-दराज के गांव में, सरकार को कानून-व्यवस्था के लिए जवाहदेह होना पड़ेगा। चिराग ने कहा कि सरकार जवाबदेही से भाग नहीं सकती। शहरी इलाके में खुलेआम घटना घट जाती है। थाना बगल में था, अधिकारी उसी इलाके में रहते हैं। इतने पॉश इलाके में ऐसी घटना घट जाती है तो चिंता का विषय है। सुशासन के राज में अपराधियों को इतना बल कहां से मिल गया ये हमें देखना होगा। सरकार को गंभीर होना होगा। लोजपा प्रमुख ने कहा कि बिहार में डोमिसाइल नीति लागू होनी चाहिए, मैं इसके समर्थन में हूं। उन्होंने तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना कहा, 'बिहार में 2023 में जब महागठबंधन की सरकार थी तो उस वक्त राजद के उपमुख्यमंत्री और राजद के शिक्षा मंत्री थे, जिन्होंने डोमिसाइल नीति को समाप्त किया।'

चिराग के चुनाव लड़ने पर आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहार में चुनाव से पहले ही ठऊअ में सिर फुटव्वल शुरू हो गई है और मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार हो गए हैं। तिवारी ने कहा कि छखढ(फ) अब चिराग पासवान को सीएम कैंडिडेट बता रही है और जेडीयू-बीजेपी नीतीश कुमार को सीएम कैंडिडेट बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि ठऊअ में चिराग की पार्टी की लगातार उपेक्षा हो रही है।

आरजेडी प्रवक्ता के बयान से साफ है कि चिराग के विधानसभा चुनाव लड़ने को विपक्ष भी अपने लिए एक मौके के तौर पर देख रहा है। अगर चुनाव नतीजों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है तो ऐसे में चिराग की भूमिका अहम हो सकती है। तेजस्वी यादव के साथ वह पहले ही अपने पारपारिक संबंधों को हवाला दे चुके हैं, ऐसे में उनका पाला बदल भी मुमकिन हो सकता है। लेकिन फिलहाल औपचारिक तौर पर चिराग पासवान के विधानसभा चुनाव लड़ने का इंतजार है।

# अखिलेश को बड़ा झटका देने की तैयारी में ब्राह्मण समाज



-अजय कुमार

आजमगढ़, उत्तर प्रदेश का एक ऐसा जिला जो समाजवादी पार्टी (सपा) का गढ़ माना जाता है, 3 जुलाई 2025 को एक बार फिर सुर्खियों में था। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने नए आवास और पार्टी कार्यालय, जिसे उन्होंने पीडीए भवन नाम दिया, का उद्घाटन और गृह प्रवेश किया। यह भवन अनवरगंज में 72 बिस्वा जमीन पर बना है, जिसमें अखिलेश का निजी निवास, पार्टी कार्यालय, और समर्थकों के लिए एक बड़ा हॉल शामिल है। लेकिन इस भव्य आयोजन के बीच एक सवाल ने सबका ध्यान खींचा अखिलेश ने गृह प्रवेश की पूजा के लिए काशी के ब्राह्मण विद्वानों को आमंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के किसी विद्वान को क्यों नहीं बुलाया? यह सवाल न केवल सियासी गलियारों में, बल्कि सोशल मीडिया और स्थानीय जनता के बीच भी चर्चा का विषय बन गया। बात ब्राह्मण समाज की नाराजगी की कि जाये तो ब्राह्मण सभा ने सपा कार्यालय और आवास के गृह प्रवेश के लिये गये ब्राह्मणों को अपने समाज से निकाल दिया है। ब्राह्मणों की यह नाराजगी सपा को 2027 के चुनाव में भारी पड़ सकती है, यूपी में करीब 10 प्रतिशत ब्राह्मण हैं। आजमगढ़ में समाजवादी पार्टी का यह नया कार्यालय 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अखिलेश ने इसे पीडीए भवन नाम देकर अपनी रणनीति को स्पष्ट कर दिया। पीडीए, यानी पिछड़ा, दलित, और अल्पसंख्यक सपा की राजनीतिक रणनीति का आधार रहा है, जिसने 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 37 सीटें दिलाकर उत्तर प्रदेश में बीजेपी के विजय रथ को रोकने में मदद की। अखिलेश ने उद्घाटन समारोह में कहा, ₹पीडीए की एकता ही हमें 2027 में सत्ता दिलाएगी।₹ इस भवन को न केवल एक कार्यालय, बल्कि एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में भी देखा जा रहा है, जहां युवाओं को समाजवादी विचारधारा से जोड़ा जाएगा।

लेकिन इस आयोजन की चमक उस समय फीकी पड़ गई, जब यह खबर आई कि अखिलेश ने गृह प्रवेश की पूजा के लिए काशी के ब्राह्मण विद्वानों को बुलाने की इच्छा जताई थी, लेकिन वे नहीं आए। सूत्रों के अनुसार, काशी के पंडितों ने इटावा में हाल ही में हुए एक विवाद, जिसे 'इटावा कथावाचक कांड' कहा जा रहा है, के कारण नाराजगी जताते हुए पूजा कराने से मना कर दिया। इस कांड में अखिलेश के कुछ बयानों को ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ माना गया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर दान-दक्षिणा और पूजा-पाठ की परंपराओं पर सवाल उठाए थे।

अखिलेश ने अंततः स्थानीय पंडितों से पूजा करवाई, और कुछ स्रोतों के अनुसार, पुजारी चंदन कुशवाहा ने इस कार्य को संपन्न किया। लेकिन सवाल यह उठता है कि पीडीए भवन के उद्घाटन जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर, जब अखिलेश अपनी पीडीए रणनीति को और मजबूत करने की बात कर रहे थे, तब उन्होंने पीडीए समुदाय के किसी विद्वान को पूजा के लिए क्यों नहीं चुना? यह सवाल न केवल उनके विरोधियों, बल्कि उनके समर्थकों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इसे अखिलेश की रणनीति में विरोधाभास बताया। एक यूजर ने लिखा, ₹भवन का नाम तो रख दिया, लेकिन पूजा ब्राह्मणों से ही करवानी है। क्या पीडीए में कोई विद्वान नहीं था?₹ एक अन्य यूजर ने तंज कसते हुए कहा, ₹अखिलेश जी को कोई पीडीए का पंडित नहीं मिला क्या? कथनी और करनी में अंतर साफ दिखता है।₹ इन टिप्पणियों ने सपा के पीडीए फामूर्ले पर सवाल उठाए, जिसे अखिलेश ने हाल के वर्षों में अपनी पार्टी की छवि को यादव-मुस्लिम से हटाकर व्यापक बनाने के लिए अपनाया था।

आजमगढ़ में पूजा के लिए ब्राह्मण विद्वानों को बुलाने की कोशिश को भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अखिलेश शायद यह संदेश देना चाहते थे कि उनकी पार्टी सभी समुदायों को साथ लेकर चल रही है। लेकिन काशी के पंडितों की अनुपस्थिति और स्थानीय पंडितों द्वारा पूजा करवाने ने इस संदेश को कमजोर कर दिया। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि अखिलेश का यह कदम उनकी पीडीए रणनीति को मजबूत करने का प्रयास था, लेकिन यह उल्टा पड़ गया।

इस आयोजन को और चर्चा में लाने वाला एक अन्य पहलू था ब्राह्मण महासभा और विश्व हिंदू महासंघ के सदस्यों का विरोध। कुछ प्रदर्शनकारियों ने अखिलेश के खिलाफ काले झंडे लहराए और उन पर ब्राह्मण समुदाय की छवि खराब करने का आरोप लगाया। इसके अलावा, एक सुरक्षा चूक ने भी सुर्खियां बटोरीं, जब एक युवक बैरिकेडिंग तोड़कर मंच के करीब पहुंच गया। पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में लिया, लेकिन इस घटना ने अखिलेश की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। इन विवादों के बावजूद, पीडीए भवन का उद्घाटन समाजवादी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भवन न केवल अखिलेश का दूसरा घर है, बल्कि पूर्वांचल में सपा की सियासी रणनीति का केंद्र भी बनेगा। अखिलेश ने अपने भाषण में बीजेपी पर जमकर हमला बोला और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का श्रेय अपनी सरकार को दिया। उन्होंने कहा, लखनऊ से आजमगढ़ पहुंचने में उतना ही समय लगता है, जितना सैफई। यह हमारे द्वारा बनाए गए एक्सप्रेसवे की बदौलत है। बहरहाल, आजमगढ़ में पीडीए भवन का उद्घाटन और गृह प्रवेश एक सियासी मास्टरस्ट्रोक हो सकता था, लेकिन ब्राह्मण विद्वानों की अनुपस्थिति और पीडीए समुदाय के विद्वानों को न बुलाने का फैसला सवालों के घेरे में आ गया। जहां वे एक तरफ अपने मूल समर्थक वर्ग को मजबूत करना चाहते हैं, तो दूसरी तरफ सवर्ण वोटरों को भी साधने की कोशिश कर रहे हैं। 2027 के चुनावों में यह रणनीति कितनी कारगर होगी, यह तो समय ही बताएगा।

# बिहार में वोटर लिस्ट जांच पर सबके अपने दावे और विचार



-संजय सक्सेना

बिहार में कुछ माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिये उठाये गये कदम ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। विपक्षी दल इस प्रक्रिया को लोकतंत्र पर हमला और गरीब, दलित, पिछड़े, और अल्पसंख्यक समुदायों के मताधिकार को छीनने की साजिश करार दे रहे हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग इसे नियमित और संवैधानिक प्रक्रिया बताकर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। यह विवाद अब दिल्ली के निर्वाचन सदन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है, और बिहार की सियासत में एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। दस जुलाई को सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर सकता है। विपक्षी दलों, विशेष रूप से इंडिया गठबंधन के घटक दलों जैसे कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), समाजवादी पार्टी, और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने इस पुनरीक्षण प्रक्रिया को वोटबंदी करार दिया है। 2 जुलाई 2025 को 11 विपक्षी दलों का 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में निर्वाचन सदन पहुंचा और चुनाव आयोग से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी, राजद के मनोज झा, और सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य जैसे प्रमुख नेता शामिल थे। इसी क्रम में ओवैसी ने भी अलग से चुनाव आयोग पहुंच कर अपना पक्ष रखा। विपक्ष का कहना है कि यह प्रक्रिया जल्दबाजी में शुरू की गई है और यह गरीब, ग्रामीण, और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को मतदाता सूची से हटाने की साजिश है।

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि बिहार में लगभग 7.75 करोड़ मतदाता हैं। इतनी बड़ी संख्या की जांच कुछ महीनों में करना असंभव है। यह प्रक्रिया उन लोगों को निशाना बनाएगी जिनके पास जन्म प्रमाणपत्र या माता-पिता की नागरिकता जैसे दस्तावेज नहीं हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने इसे और तीखे शब्दों में लोकतंत्र पर हमला बताया। उन्होंने सवाल उठाया, 2003 में पूरे देश में पुनरीक्षण हुआ था, लेकिन अब सिर्फ बिहार में क्यों? यह प्रक्रिया मानसून के दौरान, जब बाढ़ आम है, शुरू की गई है। क्या यह गरीब और वंचित वोटरों को बाहर करने की साजिश नहीं है?

विपक्षी नेताओं का तर्क है कि सत्यापन के लिए मांगे गए 11 दस्तावेज, जैसे पासपोर्ट, जन्म प्रमाणपत्र, और माता-पिता की नागरिकता प्रमाण, अधिकांश गरीब और ग्रामीण लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं। तेजस्वी ने दावा किया कि बिहार के 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से 60 फीसदी को अपनी नागरिकता साबित करनी होगी, जो विशेष रूप से दलित, पिछड़े, और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए चुनौतीपूर्ण है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसे अव्यवस्थित और अवैज्ञानिक बताते हुए कहा कि यह प्रक्रिया पहले ही हो चुकी है और इसे दोहराने का कोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इसे बीजेपी-आरएसएस की साजिश बताया, जिसका मकसद दलितों और वंचितों के वोटिंग अधिकार छीनना है। योगेंद्र यादव ने अनुमान लगाया कि इस प्रक्रिया से 4.76 करोड़ मतदाताओं का नाम हट सकता है, जिसे उन्होंने वोट उड़ाने का खेल करार दिया।

उधर बीजेपी और एनडीए ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया निष्पक्षता और पारदर्शिता के लिए जरूरी है। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने तंज कसते हुए कहा, जिनके राज में बूथ कैप्चरिंग और हिंसा आम थी, उन्हें अब निष्पक्षता से परेशानी हो रही है। हालांकि, एनडीए के कुछ सहयोगी, जैसे जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), ने दबी जुबान में इस प्रक्रिया की समय सीमा पर चिंता जताई है। बहरहाल, कुल मिलाकर लगता है कि बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक नियमित प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन इसकी समय सीमा और दस्तावेजों की मांग ने इसे विवादास्पद बना दिया है। विपक्ष इसे गरीब और वंचित समुदायों के खिलाफ एक साजिश के रूप में देख रहा है, जबकि चुनाव आयोग इसे लोकतंत्र को मजबूत करने का कदम बता रहा है। यह विवाद बिहार की सियासत को और गर्माएगा, और इसका असर 2025 के विधानसभा चुनावों पर पड़ना तय है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस मामले में निर्णायक हो सकता है, लेकिन तब तक यह मुद्दा बिहार की जनता और नेताओं के बीच बहस का केंद्र बना रहेगा। विपक्ष की आपत्तियों ने अब कानूनी रूप ले लिया है। सपा सांसद कपिल सिब्बल, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, राजद के मनोज झा, और कई गैर-सरकारी संगठनों ने इस प्रक्रिया को रद्द करने की मांग के साथ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट से तत्काल सुनवाई की मांग की, यह तर्क देते हुए कि इतने कम समय में यह प्रक्रिया संभव नहीं है और यह संविधान का उल्लंघन करती है। इस मामले की सुनवाई 10 जुलाई 2025 को होनी है। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह संवैधानिक और नियमित है, जो पिछले 75 वर्षों से समय-समय पर की जाती रही है। आयोग का कहना है कि इसका उद्देश्य अवैध प्रवासियों, जैसे नेपाल, बांग्लादेश, और म्यांमार से आए लोगों, को मतदाता सूची से हटाना और केवल भारतीय नागरिकों को वोटिंग का अधिकार सुनिश्चित करना है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 4 जुलाई को स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया तय समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएगी। इसमें चुनाव कर्मियों और राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि 2003 की मतदाता सूची को आधार मानकर 4.96 करोड़ मतदाताओं को दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही, एक गलतफहमी को दूर करते हुए आयोग ने कहा कि एक अखबार के विज्ञापन में केवल फॉर्म भरने की बात भ्रामक थी। मसौदा सूची में उन मतदाताओं के नाम शामिल होंगे जिनके गणना फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं। आयोग ने यह भी बताया कि यह प्रक्रिया बिहार के अलावा असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, और पश्चिम बंगाल में भी लागू होगी। इसका मकसद मतदाता सूची को अपडेट करना, मृतकों के नाम हटाना, और 18 वर्ष से अधिक उम्र के नए मतदाताओं को जोड़ना है।

# गुरु का महत्व और शिष्य का दायित्व

गुरु पूर्णिमा एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, या की यह भी कह सकते हैं कि एक शिष्य के लिए गुरु के प्रति आस्था और सम्मान प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण दिवस गुरु पूर्णिमा ही है, जो गुरुओं के सम्मान और आदर के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार आमतौर पर जुलाई के महीने में मनाया जाता है, जब पूर्णिमा का दिन पड़ता है। गुरु पूर्णिमा का मुख्य उद्देश्य गुरुओं का सम्मान और आदर करना है। यह त्योहार गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। गुरु पूर्णिमा ज्ञान और शिक्षा के महत्व को भी दशार्ता है। यह त्योहार हमें ज्ञान प्राप्त करने और शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। गुरु पूर्णिमा आध्यात्मिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह त्योहार हमें आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने और अपने आत्मा को शुद्ध करने के लिए प्रेरित करता है। गुरु पूर्णिमा की कथा महाभारत काल से जुड़ी हुई है। कथा के अनुसार, महाभारत के युद्ध में भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गुरु के महत्व के बारे में बताया था। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को समझाया कि गुरु की कृपा से ही हम ज्ञान और शक्ति प्राप्त कर सकते हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन निम्न कार्य किए जाने चाहिए।1. गुरु का सम्मानः गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु का सम्मान और आदर करें। उन्हें फूल, फल और अन्य उपहार दें। 2.पूजा और आरती:गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु की पूजा और आरती करें। 3.ज्ञान और शिक्षाः गुरु पूर्णिमा के दिन ज्ञान और शिक्षा के महत्व को समझें और अपने जीवन में इसका पालन करें। 4.आध्यात्मिक विकासः गुरु पूर्णिमा के दिन आध्यात्मिक विकास के लिए समय निकालें और अपने आत्मा को शुद्ध करने के लिए प्रयास करें।गुरु पूर्णिमा का एक शिष्य के लिए बहुत महत्व है, क्योंकि यह दिन गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को दशार्ता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं जो गुरु पूर्णिमा के दिन एक शिष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन, एक शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। वह अपने गुरु को धन्यवाद देता है जिन्होंने उसे ज्ञान, मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया है। इस दिवस को एक शिष्य अपने गुरु का सम्मान और आदर करता है। वह अपने गुरु को फूल, फल और अन्य उपहार देता है, और उनकी पूजा और आरती करता है। गुरु पूर्णिमा के दिन, एक शिष्य ज्ञान और शिक्षा के महत्व को समझता है। वह अपने गुरु से सीखने के लिए प्रेरित होता है और अपने जीवन में ज्ञान और शिक्षा का पालन करता है। गुरु पूर्णिमा के ही दिन, एक शिष्य आध्यात्मिक विकास के लिए समय निकालता है। वह अपने गुरु से आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त करता है और अपने आत्मा को शुद्ध करने के लिए प्रयास करता है।गुरु पूर्णिमा के दिन, एक शिष्य गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को समझता है। वह अपने गुरु के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रयास करता है और गुरु-शिष्य परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देता है।

## पलावा पुल का उद्घाटन करने वालों के खिलाफ दर्ज हो मामला : दिपेश म्हात्रे

**डोंबिवली (उत्तरशक्ति)।** कल्याण-शील रोड स्थित पलावा पुल का जल्दबाजी में उद्घाटन कर दिया गया। पुल शुरू होते ही कुछ वाहनचालक फिसल कर गिर गए, जिससे पुल को बंद करना पड़ा। पुल शुरू करने से नागरिकों के जीवन को खतरा उत्पन्न हुआ है। पुल का उद्घाटन करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए, ऐसी मांग शिवसेना (ठाकरे गुट) के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने की है। इस संदर्भ में वे कल पुलिस से मिलने वाले हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि महायुति की सरकार में होते हुए भी केवल एक ही पार्टी के लोगों ने उद्घाटन किया, तो महायुति आखिर गई कहाँ ऐसा तंज भी दीपेश म्हात्रे ने कसा है।

## समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र-मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष अजय यादव को संचालन समिति का अध्यक्ष बनाये जाने पर किया गया सत्कार

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** समाजवादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष व गोवंडी के विधायक अबू हासिम आजमी द्वारा सपा के मध्यवर्ती जनसंपर्क कार्यालय में पत्रकार परिषद में समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र/मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष अजय यादव को भिवंडी संचालन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर यादव समाज द्वारा शाल पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया गया । बतादें कि प्रदेश अध्यक्ष अबू हासिम आजमी ने सपा की भिवंडी कमेटी को बर्खास्त कर नई कमेटी के गठन के लिये 11 लोगों की संचालन कमेटी बनाया है जिसमें अजय यदव को अध्यक्ष बनाया गया है । अजय यादव के साथ भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस शेख , अरफात शेख आदि मुख्य लोगों के अलावा अन्य लोगों को समाहित किया गया है। अजय यादव को अध्यक्ष बनाये जाने पर यदुवंशी समाजसेवा संस्था के राष्ट्रीय सचिव की अगुवाई में सपा नेता अरविंद यादव , समाजसेवक रमेश यादव , चंद्रभान यादव , मनोज यादव , जितेन्द्र यादव , राजेन्द्र यादव , संतोष यादव , मनोज सिंह आदि लोगों ने शाल पुष्प गुच्छ देकर उनके उज्ज्वल भविष्य कामना कर अपनी शुभकामनाएँ दिये ।

## आषाढ़ी एकादशी व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर भजन-पूजन कार्यक्रम आयोजित

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** रविवार 6 जुलाई को आषाढ़ी एकादशी एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर भारत भारती एवं अनुश्री फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में भजन एवं पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सुंदर भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित जनों को प्रसाद रूपी फल फ्रूट वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था की सचिव पुष्पा तिवारी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए बताया कि संस्था द्वारा महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कक्षा (शिवण क्लास) भी शुरू की जा रही है, जिससे महिलाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। कार्यक्रम में सभी महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। आयोजन को सफल बनाने में अनुश्री फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। इस अवसर पर सपना तिवारी, सोनी मिश्रा, रेनू पांडे, सोनू मिश्रा, शीला मिश्रा, साधना उपाध्याय, भगवती सिंह, ज्ञानमती निषाद, सुनीता सरोज, मिंटू शर्मा, विनीता यादव, शांति महतो, पूनम महतो, पुष्पा शर्मा, सुनीता सरोज, शास्मिता चक्रवर्ती व मिथुन चक्रवर्ती सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

## पूर्वान्कारा मुंबई में 8 सोसाइटियों को रिडेवलप करेगा

**मुंबई।** भारत के सबसे भरोसेमंद और प्रशंसित रियल एस्टेट डेवलपर्स पूर्वान्कारा लिमिटेड को मुंबई के चेंबूर में आठ आवासीय सोसाइटियों के पुनर्विकास के लिए पसंदीदा डेवलपर के रूप में चुना गया है। यह कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो लगभग 4 एकड़ में फैले 1.2 मिलियन वर्ग फीट से अधिक की कुल विकास क्षमता की है और जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 2,100 करोड़ रुपये है। कंपनी मुंबई के ब्रीच कैंडी, पाली हिल और लोखंडवाला में प्रतिष्ठित पुनर्विकास परियोजनाओं के अलावा अब चेंबूर में इस नए प्रोजेक्ट की घोषणा की है। ये रणनीतिक पहल पश्चिम क्षेत्र में पुनर्विकास खंड में पुरवणकारा के बढ़ते पदचिह्न को दशार्ती है, जो गुणवत्ता और अखंडता के साथ शहरी स्थानों को पुनर्जीवित करने की इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

पूर्वान्कारा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आशीष पूर्वान्कारा ने कहा, ₹ब्रीच कैंडी, पाली हिल, लोखंडवाला और अब चेंबूर जैसे मुंबई के अत्यधिक मांग वाले इलाकों में मार्की पुनर्विकास परियोजनाओं को हासिल करना पूर्वान्कारा ब्रांड में विश्वास, समझदार समाजों और निवासियों की मजबूत मान्यता है। क्योंकि हमारा विजन डिजाइन-आधारित दृष्टिकोण और गुणवत्ता पर आधारित है और हम इसकी पूरी ध्यान रखते हैं।

अब मुंबई और पुणे में इन 11 परियोजनाओं के साथ, लगभग 14 मिलियन वर्ग फीट में फैले, जिसमें 3.6 मिलियन वर्ग फीट पुनर्विकास शामिल है, हम पश्चिमी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस क्षेत्र से लगभग 18,000 करोड़ रुपये के जीडीवी की उम्मीद है, जिसमें से लगभग 7,700 करोड़ रुपये अकेले पुनर्विकास से आएंगे।₹

रजत रस्तोगी, सीईओ-वेस्ट और कमर्शियल एसेट्स, पूर्वान्कारा लिमिटेड ने कहा, हमें चेंबूर में आठ सोसाइटियों के पुनर्विकास के लिए डेवलपर के रूप में चुने जाने पर गर्व है। चेंबूर (पुरवा क्लेरमोंट) में हमारे मौजूदा प्रोजेक्ट के लिए अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद, इस माइक्रो-मार्केट में हमारा विस्तार हमारी मौजूदगी को और मजबूत करेगा।

# मनसे नेता राजू पाटिल ने पलावा पुल का किया निरीक्षण

- स्थानीय विधायक ने जल्दबाजी में इस पुल को खोला- राजू पाटिल का आरोप
- ठाकरे गुट के नेता ने भी पलावा पुल उद्घाटन करने वालो पर मामला दर्ज करने की मांग डीसीपी से किया

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण शील मार्ग पर स्थित पलावा पुल को लेकर राजनीति गरमा गई है। मनसे पूर्व विधायक राजू पाटिल ने पलावा पुल का निरीक्षण किया और कहा कि पुल के काम में बहुत खामियां हैं? उन्होंने यह दिखाया की पुल का काम पूरा नहीं हुआ है। ठेकेदार ने अभी तक इस पुल को संबंधित प्रशासन को नहीं सौंपा है। इसके बावजूद स्थानीय विधायक ने जल्दबाजी में इस पुल को यातायात के लिए खोल दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि इस मामले में एसीबी में मामला दर्ज होना चाहिए। इस पुल से सटे दूसरे पुल का अलाइनमेंट ही बदल दिया गया है।

बतादे की मनसे नेता राजू पाटिल ने कहा कि डर के कारण जल्दबाजी में इस पुल को यातायात के लिए खोल दिया गया है। चूंकि यह काम गलत तरीके से किया गया है, इसलिए ब्रिज से जाने वाले लोगों की जान जा सकती है।

इसी तरह शिवसेना ठाकरे गुट के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने मांग की है कि पुल का उद्घाटन करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करे । इस मामले की शिकायत भी दिपेश म्हात्रे ने सोमवार को पुलिस उपायुक्त से लिखित शिकायत की है । मनसे नेता पाटिल ने कहा कि पुलिस से शिकायत करने के बजाय उन्हें एबीसी से शिकायत करनी चाहिए। इसमें बहुत भ्रष्टाचार हुआ है। ठेकेदार की जांच होनी चाहिए। उसके बाद इस पुल के काम काज की पोल खुल जाएगी । इस पूरे मामले में स्थानीय विधायक राजेश मोरे से बात करने पर उन्होंने कहा कि हम काम करने वाले लोग है विरोधियों को अपने काम से उत्तर देंगे।

## शिव कावड़ यात्रा संघ यादव नगर बोईसर की बैठक संपन्न

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** आगामी श्रावण मास के प्रथम सोमवार, 14 जुलाई 2025 को आयोजित होने वाली शिव कावड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत यादव नगर स्थित पटवा निवास पर बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में शिव कावड़ यात्रा संघ के अध्यक्ष चदबली यादव और पूर्व अध्यक्ष ऋषिकेश पांडेय ने सभी भक्तों से आपसी सहयोग एवं सौहार्द्र के साथ मिलकर शांतिपूर्ण तरीके से जलाभिषेक करने की अपील की। बैठक में यह तय किया गया कि कावड़ यात्रा को पूरे श्रद्धा एवं अनुशासन के साथ संपन्न कराया जाएगा, साथ ही सभी श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान नियमों का पालन करने की अपील भी की गई।

इस बैठक में मंडल के अन्य सदस्यगण सोना सेठ, अशोक यादव, कमलेश गुप्ता, मनीराम सिंह, हरिश्चंद्र शर्मा सहित बाल सेना, धर्म सेना, महिला मंडल तथा युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं संस्थापक जयकुमार पटवा ने मीटिंग में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

## मध्य वैतरणा डैम के तीन दरवाजे खोले गए, प्रशासन ने की लोगों से सतर्क रहने की अपील

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** मध्य वैतरणा डैम में जलस्तर बढ़ने के कारण सोमवार 7 जुलाई को दोपहर 1:15 बजे तीन दरवाजे (गेट नंबर 1, 3 और 5) 30 सेंटीमीटर तक खोल दिए गए हैं। इस दौरान डैम से करीब 3000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। पालघर जिला आपत्ति व्यवस्थापन अधिकारी विवेकानंद कदम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वर्तमान में डैम का जलस्तर 282.13 मीटर तक पहुंच गया है, जिसके चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया है। प्रशासन ने जलाशय के आसपास के गांवों व निचले इलाकों में रहने वाले नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। साथ ही ग्राम पंचायतों व स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि वे गांववासियों को समय रहते सूचना दें और स्थिति पर नजर बनाए रखें। प्रशासन ने कहा है कि नदी के किनारे जाने से बचें और मौसम विभाग व प्रशासन की चेतावनियों पर ध्यान दें।

# मुलुंड में कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी द्वारा जरूरतमंदों को छाता वितरित कार्यक्रम संपन्न

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** मुलुंड (पश्चिम) स्थित जी.एस. शेट्टी ग्रैंड सेंट्रल हॉल में सामाजिक संस्था एकता द पॉवर ऑफ यूथ एंड यूनिटी एवं मगध फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सम्पूर्ण भारत सुरक्षा मंच के अंतर्गत एक भव्य मोफत छाता वितरण एवं जनचेतना संगोष्ठी का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। बरसात को ध्यान में रखते हुए यह आयोजन विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों महिलाओं व दिव्यांगों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें सैकड़ों लाभार्थियों को निःशुल्क छाते वितरित किए गए।

इस अवसर पर मंच पर मौजूद प्रमुख अतिथियों में के.एन. त्रिपाठी, एम. जितेंद्र, वषार्ताई गायकवाड़, इब्राहिम यश मणि, बी के तिवारी, उत्तम गीत्ते, डॉ राजेंद्र प्रसाद तथा राकेश शेट्टी प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी वक्ताओं ने सामाजिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन एवं नागरिक जिम्मेदारी जैसे मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के आयोजक एवं सम्पूर्ण भारत सुरक्षा मंच के अध्यक्ष राकेश शेट्टी ने कहा कि बरसात में जब एक छाता किसी बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है, तो समझिए कि समाज सेवा की दिशा में हमने एक सही कदम बढ़ाया है। हमारा प्रयास आगे भी ऐसे छोटे-छोटे लेकिन असरदार कार्यों के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने का रहेगा।कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि आज की राजनीति को सेवा से जोड़ने का जो प्रयास राकेश शेट्टी कर रहे हैं, वह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुलुंड में राकेश लगातार जानता की आवाज उठा रहे है चाहे वह अग्रवाल अस्पताल का प्राइवेटाइजेशन हो या फिर अड़ानी स्मार्ट मीटर या फिर प्रियदर्शनी स्वीमिंग पुल या गरीबों उनका आशियाना दिलाने का मामला हो । राकेश भले ही चुनाव में विजय ना हासिल कर सके हो लेकिन सबसे अधिक वोट पाने और हारने के बाद भी सक्रिय रहकर समाज की जरूरतों को समझते हुए बेहतर कार्य कर रहे हैं । ऐसे आयोजन से हम बेहतर भारत और उत्तम मुलुंड की कल्पना साकार कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना की और आयोजकों को धन्यवाद दिया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे समाजोपयोगी कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

## भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से ग्रामीण इलाके के विद्यार्थियों को नि:शुल्क शैक्षणिक सामग्री का वितरण

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** शिक्षा ही सच्ची ताकत है। यदि विद्यार्थियों को योग्य संसाधन और सुविधाएं मिली तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। और भविष्य में समाज के लिए दीप स्तंभ साबित होंगे।इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सचिव सलमान खान ( समाजसेवक ) तथा उत्तर पश्चिम जिले के जिला अध्यक्ष हुसेन पठाण की ओर से कुर्ला पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस आयुक्त सूर्यकांत बांगर के गांव भांडारदारा जिला अहमदनगर स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को नोटबुक, ड्राइंग बुक और अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। बता दें कि सहायक पुलिस आयुक्त सूर्यकांत बांगर द्वारा काफी समय से अपने गांव के स्कूल में पढ़ने वाले गरीब बच्चों को शैक्षणिक सामग्री और स्कूली फीस की मदद की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में मुंबई भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सचिव सलमान खान और उत्तर पश्चिम भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हुसेन पठाण की ओर से इस बार ग्रामीण इलाके के बच्चों को अपनी ओर से अच्छी शिक्षा मिलने के उद्देश्य से शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। हुसेन पठाण ने बताया कि यह सेवा देश और समाज के प्रति ऋण से बाहर निकलकर की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त बांगर ने इन दोनों ही नेताओं का इस नेक कार्य के लिए आभार जताया।

## धामनकर नाका मित्र मंडल व स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा गणेशोत्सव का हुआ भव्य भूमि-पूजन

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी के धामनकरनाका स्थित धामनकर नाका मित्र मंडल व स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा मनाया जाने वाला गणेशोत्सव पर्व की सजावट की तैयारी मंडल के संस्थापक संतोष शेट्टी व पूर्व नगरसेविका शशिलता शेट्टी , राजेश शेट्टी द्वारा गणेश पूजन व भूमि पूजन कर शुरू कर दी गई है । बतादें कि गणेशोत्सव का 37 वां वर्ष है इस पंडाल को देश के प्रसिद्ध मंदिरों की हूबहू ईकोफ्रेन्डली प्रतिकृति बनाकर भिवंडी ही नहीं पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है । गणपति दर्शन के लिए ठाणे जिले के अलावा अन्य शहरों से हजारों की संख्या में गणेश भक्तों की भारी संख्या की भीड़ देखी जाती है । धामनकरनाका मित्र मंडल व स्वाभिमान सेवा संस्था गणेशोत्सव के दौरान गणेश भक्तों को किसी प्रकार की अनहोनी ना हो जिसके लिए गणपति बप्पा की पूजा के साथ भूमि पूजन किया गया । इस वर्ष वृंदावन का चंद्रोदय इस्कान मंदिर की प्रतिकृति दर्शनार्थियों को दिखाया जाएगा । जिसके लिए कलकत्ता से करीब 100 से अधिक कुशल कारीगरों को बुलाया गया है । उक्त भूमि-पूजन में मुख्य अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत , शिवसेना जिला प्रमुख सुभाष माने , भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल , शिवसेना पश्चिम शहर प्रमुख श्याम पाटिल , शिवसेना पूर्व शहर प्रमुख संजय काबूकर , भिवंडी इस्कान मंदिर के सुदाम दास व उनकी भक्त मंडली के साथ भारी संख्या मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित थे । कार्यक्रम को सफल बनाने में धामनकरनाका मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष संतोष शेट्टी के मार्गदर्शन व स्वाभिमान सेवा संस्था के अध्यक्ष राजेश शेट्टी के नेतृत्व में मंडल के महासचिव मोहन बल्लेवार, हसमुख भाई पटेल, राकेश पटवारी, महेश खापरे, विजय शाह, दिलीप पोद्दार, अनिल शेट्टी, ईश्वर पामू, भास्कर मेरगू, रमेश पुजारी, संतोष जम्पाल , विश्वनाथ शेट्टी , सागर शेट्टी, राकेश मंडल , नीरज कपूर, तारू जाधव, तिरुपति श्रीपुरम, राकेश मंडल आदि लोगों का विशेष योगदान रहा है वहीं मंडल के प्रवक्ता संजय भोईर, ठाकुर कृष्ण गोपाल सिंह, सुनीता यादव ,दीपक झा आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित थे ।

# मुख्य नाला बंद होने के विरोध में नागरिकों ने केडीएमसी में किया विरोध प्रदर्शन

## दूषित पानी से परेशान पिसावली के रहवाशी

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण के पिसावली गांव में बिल्डर द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य के कारण नागरिकों के घरों में दूषित पानी जमा हो रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य को खतरा हो रहा है। पिसावली गांव के निवासी महेश रामचंद्र भोईर ने इस संबंध में कई बार केडीएमसी अधिकारियों से शिकायत की है। लेकिन केडीएमसी की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्हें रैली निकालनी पड़ी।

महेश भोईर ने बताया कि पिसावली गांव में निर्माण कार्य चल रहा है, इसलिए बिल्डर ने मुख्य नाला बंद कर दिया है। नाले का गंदा पानी निवासियों के घरों में जमा होने लगा है। केडीएमसी डेवलपर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। निवासियों को रैली निकालनी पड़ी। अगर मनपा प्रशासन ध्यान नहीं देता है, तो अगली बार हमें बड़ा विरोध प्रदर्शन करना पड़ेगा।

## लिवलॉग ने अंधेरी में रणनीतिक शाखा लांच कर-के मुंबई में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** भारत की अग्रणी कापोर्रेट बीमा एजेंसी और एकीकृत स्वास्थ्य-तकनीक प्लेटफॉर्म, लिवलॉग ने अंधेरी, मुंबई में अपनी नई शाखा के लांच की घोषणा की है, जो सुलभ और हाइपरलोकल हेल्थकेयर और बीमा समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। इस विस्तार के साथ, लिवलॉग प्रमुख शहरी केंद्रों में एक मजबूत आफलाइन उपस्थिति बनाने के अपने मिशन को जारी रखता है, जो अपने समग्र स्वास्थ्य सेवा, कल्याण और बीमा पेशकशों को ग्राहकों और भागीदारों के करीब लाता है।

लिवलॉग के संस्थापक और सीईओ गौरव दुबे ने कहा अंधेरी में अपनी उपस्थिति स्थापित करना लिवलॉन्ग की विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुंबई हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, और यह शाखा हमें ग्राहकों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने और स्थानीयकृत, उच्च-स्पर्श अनुभव के माध्यम से भागीदारों को सशक्त बनाने में मदद करेगी। लिवलॉग में, हम अधिक व्यक्तिगत, तकनीक-सक्षम, किफायती बीमा और स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करके स्वास्थ्य सेवा और बीमा पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। हम कई बीमा उत्पादों के साथ उस अंतर को पाटने के लिए यहां हैं जो अनुरूप, स्केलेबल और कल्याण में निहित हैं। साझेदारी और लॉन्च पर बोलते हुए, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस के मुख्य वितरण अधिकारी शशांक चापेकर ने कहा, हम लिवलॉग के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि वे मुंबई में अपना विस्तार कर रहे हैं। अंधेरी शाखा का शुभारंभ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य बीमा को अधिक सुलभ और प्रभावशाली बनाने के हमारे साझा लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है।

लिवलॉग का तकनीक-सक्षम और ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण हर भारतीय को सरल और व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के हमारे दृष्टिकोण के साथ सहजता से मेल खाता है। अंधेरी शाखा के उद्घाटन में मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति रही, जिसमें मुख्य वितरण अधिकारी श्री शशांक चापेकर, कॉपोर्रेट एजेंसी और ब्रोकिंग के प्रमुख वीरेंद्र अलग और संचालन और अंडरराइटिंग के प्रमुख आशीष यादव शामिल थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दो की मौत, तीन ताजियादार जख्मी

**कई बार शिकायत करने के बाद भी नहीं ऊपर किया गया था एसटी लाइन का तार**

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यूपी के जनपद जौनपुर के खुटहन थाना क्षेत्र अंतर्गत सधनपुर गांव में रविवार की रात मोहर्रम के अवसर पर ताजिया

दफन कर लौटते समय दर्दनाक हादसा हो गया। स्थानीय कर्बला धार्मिक स्थल में दफनाने ताजिया का अवशेष लेकर लौट रहे लोगों में से दो की 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ताजियादार गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस मृतकों का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।मिली जानकारी के अनुसार, सधनपुर गांव में पूर्व की भांति इस वर्ष भी मोहर्रम के मौके पर ताजिया का जुलूस निकाला गया था। ताजिया को गांव से करीब एक किलोमीटर दूर पटैला गांव स्थित कर्बला में दफन कर दिया गया था। देर रात जुलूस के लोग ताजिया का अवशेष लेकर वापस लौट रहे थे। जब यह जुलूस निमार्णाधीन पानी की टंकी के पास पहुंचा। तभी रास्ते के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की मेन लाइन के लटके तार से ताजिया का ढांचा छू गया। करंट लगते ही अफरा-तफरी मच गई।

**दो की मौत, तीन झुलसे:** इस हादसे में अल्तमस, मोहम्मद कैफ, मोहम्मद मोबीन, मोहम्मद बेलाल और मोहम्मद रमजान करंट की चपेट में आ गए। सभी को तत्काल सीएचसी लाया गया, जहां से गंभीर रूप से झुलसे अल्तमस और मोहम्मद कैफ को जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बाकी तीन झुलसे व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।पहले से थी शिकायत, फिर भी नहीं हुई कार्रवाई बता दे कि, ग्रामीणों का आरोप है कि हाईटेंशन तार के लटकने की शिकायत पहले ही एसडीएम शाहगंज व विद्युत विभाग के अधिकारियों से की गई थी।

फोन पर कई बार सूचना देने के बावजूद लापरवाह अधिकारियों ने तार को दुरुस्त नहीं कराया। अगर समय रहते तार ऊंचा किया गया होता तो यह हादसा रोका जा सकता था।

**मौके पर पहुँचा प्रशासन:** हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय पुलिस को आवश्यक निर्देश देते हुए दोषियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने तथा पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। वहीं,गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

## भाषा दिलों को जोड़ती है, तोड़ती नहीं: कृपाशंकर सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भाषा न केवल विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का एक साधन है, बल्कि यह संस्कृति, सामाजिक संबंध और ज्ञान के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी व महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि हम जिस प्रदेश में रहते हैं उस प्रदेश की भाषा सीखना आवश्यक है क्योंकि इससे हमें वहां की संस्कृति और इतिहास को जानने में आसानी होती है। साथ ही सामाजिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी वहां की भाषा कारगर साबित होती है। उन्होंने कहा कि प्रेम, सद्भावना और भाईचारे की भाषा सर्वोत्तम होती है। सभी भाषाओं में यही संदेश निहित रहता है। भाषा दिलों को जोड़ने का काम करती है, तोड़ने का नहीं। मुंबई में चल रहे भाषाई विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि भाषा को हथियार के रूप में प्रयुक्त करना उपयुक्त नहीं है। मुंबई में रहने वाले अधिकांश लोग मराठी भाषा समझते और बोलते हैं। कृपाशंकर ने कहा कि महाराष्ट्र वीरों और संतों की भूमि रही है, जहां से पूरे देश में राष्ट्रीय और अध्यात्मिक जागरण का संदेश गया । हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है का नारा देने वाले लोकमान्य तिलक और हिंदवी स्वराज की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराष्ट्र के ही थे, जिन्होंने पूरे देश को संगठित कर जगाने का काम किया।

## बहू को आया गुस्सा, सास-ससुर और देवरानी को पत्थर से मारकर किया घायल

**विशाल सोनी,** शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कभी कभी ऐसी घटनाएं हो जाती है जिससे एक भरा पूरा परिवार खण्ड खण्ड में बंट जाता है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मजडीहा में सोमवार को एक ऐसा ही मामला आया। जहां एक परिवार में मिट्टी को लेकर हुए विवाद में तीन लोग घायल हो गए। उक्त गॉव निवासी 72 वर्षीय रामअदालत चौहान अपने घर के बाहर मिट्टी का कुछ काम करवा रहे थे। जिसको लेकर उनकी बड़ी बहू ने विवाद कर लिया।आरोप है की बहू ने विवाद के एक पत्थर से राम अदालत और 65 वर्षीय पत्नी सेवाती देवी और छोटी बहू 30 वर्षीय सुनीता पत्नी मनीष को सर पर हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। आनन फानन में ग्रामीणों की मदद से उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया गया। पीड़ित ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

## विशेष चेकिंग अभियान में 7 स्कूली वाहनों का हुआ चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। परिवहन आयुक्त उ०प्र० एवं जिलाधिकारी के आदेशानुसार 01 जुलाई 2025 से 15 जुलाई 2025 तक स्कूली वाहनों के प्रति विशेष चेकिंग अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये है। उक्त के अनुपालन में 07 जुलाई 2025 को जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाया गया। उक्त अभियान का नेतृत्व यात्री/मालकर अधिकारी प्रमोद कुमार एवं यातायात निरीक्ष सुशील मिश्रा द्वारा सयुक्त रूप से किया गया। जिसमें कुल 40 स्कूली वाहनों का सघन जॉच की गयी, जिसमें मानक के अनुरूप न पाये जाने वाले 07 स्कूली वाहनों का चालान/बन्द की कार्यवाही की गयी है।उक्त के साथ जनपद के समस्त स्कूल प्रबन्धकों एवं वाहन स्वामियों से अपील किया गया कि वाहनों को मानक के अनुरूप कराकर ही संचालन किया जाय। उक्त अवसर पर समस्त प्रवर्तन कार्मिक उपस्थित रहे।

## दुष्कर्म कर वीडियो वायरल करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

बक्सा,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्राधिकारी सदर परमानंद कुशवाहा के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में उ.नि. बृजेश मिश्र मय हमराही कर्मचारी के थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु.अ.सं.- 272/25 धारा-65(1)/351(3)/352 बीएनएस व 67बी आईटी एक्ट, 5एल/6 पाक्सो एक्ट एवं 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट थाना बक्शा जौनपुर का अनुसूचित जाति की नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म कर उसकी अश्लील वीडियो बना लेने तथा वीडियो वायरल करने वाले अभियुक्त प्रिन्स जायसवाल निवासी ग्राम सुजियामऊ थाना बक्शा जनपद जौनपुर उम्र करीब 20 वर्ष को मुखबीर की सूचना पर लखौवा बाजार से आज दिनांक सोमवार को गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

# दम्पत्ति हुए जहरखुरानी का शिकार, जूस में नशीला पावडर मिला कर पिलाया

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इन दिनों फिर से एक बार जहर खुरानी की घटनाएं बढ़ने लगी है।और इनपर अंकुश न लगने से इनका बनोबल दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है।जानकारी के अनुसारी गाजीपुर जनपद के नंदगंज निवासी मनोज कुमार अपनी पत्नी गुड़िया के साथ रविवार को अपने रिश्तेदारी गोसाईगंज के लिए ट्रेन से निकले थे। और देर शाम जौनपुर जंक्शन पर उतरे और गोसाईगंज के लिए दूसरी ट्रेन का इंतजार कर रहे थे मगर पता चला की ट्रेन में अभी बहुत समय है। तो दम्पत्ति ने अन्य साधन से अपने गंतव्य के लिए पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। पीड़ित दम्पत्ति के भाई ने बताया की साधन के प्रयास के दौरान एक चार पहिया वाहन आया और पूछा हम टांडा जा रहे हैं आप भी बैठ जाइए।रास्ते मे आपको छोड़ देंगे। दम्पत्ति ने सोचा रात हो गयी सवारी भी नही मिल रही है। इसलिए उक्त दम्पत्ति ने उस चार पहिया वाहन पर बैठ गए।रास्ते मे कोतवाली क्षेत्र के अज्ञात स्थान पर वाहन चालक और एक अन्य व्यक्ति जो पहले से बैठा था।उक्त दम्पत्ति को जूस पिलाया और फिर कुछ देर बाद दम्पत्ति अपना होश हवाश खोने लगे। थोड़ी देर बाद वाहन चालक ने वाहन को रोककर कहा की गाड़ी बंद हो गयी है धक्का लगाना पड़ेगा।और चालक ने दोनों से धक्का लगाने के लिए गाड़ी से नीचे उतारा। जैसे ही दम्पत्ति नीची उतरे तभी अचानक से वाहन चालक और उसमें सवार एक अन्य व्यक्ति ने वाहन को चालू करके तेजी से भाग गए।तब तक दम्पत्ति को अपने ठगे जाने का अहसास हुआ। मगर नशीला जूस पीने की वजह से कुछ विरोध नही कर पाए। किसी तरह पुलिस की मदद सरकारी एम्बुलेंस से उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पहुंचाया गया।दूसरे दिन सोमवार को भुगतभगोगी के परिजन अस्पताल पहुंचे और उक्त दम्पत्ति को गाजीपुर ले गए। भुगतभगोगी के भाई के अनुसार जहरखुरानों ने मनोज कुमार और गुड़िया के बैग से लगभग दस हजार रुपये और कुछ सोने जेवर लेकर भाग गए। भुगतभोगी ने मामले की सूचना कोतवाली को दे दी है।

# चिकित्सक, अधिवक्ता व शिक्षक ने एक ही मंच से बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। माँ लालती ताइक्वांडो क्लब, जौनपुर के तत्वावधान में आयोजित बेल्ट वितरण समारोह में लगभग 25 खिलाड़ियों को कलर बेल्ट एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह आयोजन खिलाड़ियों की प्रतिभा, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक रहा। जिसमें जिले की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को द्विगुणित कर दिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विपुल कुमार सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा, सिविल कोर्ट जौनपुर के अधिवक्ता अमित तिवारी एवं वॉरियर एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स काउंसिल की अध्यक्ष शिवानी मिश्रा मंच पर उपस्थित रहे।

अधिवक्ता अमित तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि ₹ताइक्वांडो जैसे खेल केवल आत्मरक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन और आत्मविश्वास का निर्माण भी करते हैं।वहीं प्राचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने खेलों को शिक्षा के समांतर बताते हुए खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास के लिए प्रेरित किया।जौनपुर ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव मास्टर प्रवीण मिश्रा ने बताया कि यह बेल्ट टेस्ट हर 3 महीने पर होता है, जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन के अनुसार कलर बेल्ट दी जाती है। इस सत्र में ब्लू बेल्ट प्राप्त करने वाले प्रमुख खिलाड़ी अंतिम यादव और रौनक शुक्ला रहे, जबकि येलो बेल्ट श्रेणी में आयुषी मौर्य, संतुष्टि मौर्य, रिया, यश कुमार, एहसास कुमार, ज्योति चतुर्वेदी, सिवान चतुर्वेदी और अन्वी केसरी सफल हुए। अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति के बीच आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। टीम मैनेजर व कोषाध्यक्ष मनोज मिश्रा ने मंच से सभी गणमान्य अतिथियों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# रामगढ़ कस्बे में बड़े अदबो एहतराम के साथ निकाला गया मोहर्रम का ताजिया

**नारे तकबीर अल्लाहु अकबर या हुसैन के नारे को नोवजानो ने सदाए बुलंद करते रहे**

रामगढ़, सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। चतरा छेत्र के रामगढ़ कस्बे में ताजिया दारों ने बड़े अकीदतों के साथ हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मोहर्रम का ताजिया अकीदत के साथ निकाला गया। राबट्सगंज, खिलीयारी मुख्य मार्ग होते हुए ताजिया से मिलान करते हुए पन्नूगंज थाना परिसर के अंदर करबले पर सभी ताजिया को ले जाया गया। मुस्लिम भाइयों ने माइक से नौहा पढ़ते हुवे व करबला तक गए वही अपने अपने अखाड़े के नौजवानों ने खेल सहित अपना कला प्रस्तुत किए और या हुसैन या अब्बास का नारे लगाते हुवे अपनी सदाये बुलंद करते रहे जहां अकीदत मंदो ने ताजिया का जियारत कर फैजियाब होते रहे। अकीदत मंद ने मैदाने कर्बला का मंजर याद कर शहीदाने कर्बला को खेराजे अकीदत पेश कर रहे थे। ताजियादारो में शहीदाने कर्बला की शान में अशआर पेश कर मैदाने कर्बला का मंजर याद दिलाया जा रहा था। ताजिया के साथ में सैकड़ों की संख्या में जहां पुरुष रहे तो वहीं छोटे-छोटे बच्चे भी शिरकरत किए थे ।मासूम अली असगर की शहादत को जेहन में ताजा कर रही थी। महिलायें ताजिया को देख कर फैजियाब हो रही थी। ताजिया के आगे ढोल ताशे बजाए जा रहे थे जैसे लगता था कि मैदाने कर्बला का नक्शा सामने गर्दिश कर रहा हो। वही सुरक्षा के मद्देनजर पन्नूगंज थाना प्रभारी दिनेश कुमार पांडेय अपने दल बल के साथ मुस्तेदी से लगे रहे इस मौके पर अकबर अंसारी, तेजू अंसारी, हसन उर्फ नाटे, जहागीर खान, हसनेने कादरी, राज खान, टीपू वारसी, सिराज, इसराइल अंसारी, इजहार वारसी, आमीन अंसारी, काफी सैकड़ो लोग मौजूद रहे वही आजाद समाज पार्टी युवा जिलाध्यक्ष राहुल राव भी अपने टीम के साथ उपस्थित रहे।

# गैस और पानी की पाइप फटने से मचा हड़कंप, लखनऊ-वाराणसी मार्ग रहा जाम

**रियाजुल हक**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पालिका द्वारा पुलिस लाइन क्षेत्र में नाले की सफाई के दौरान गैस और पानी की पाइप फटने से मचा हड़कंप, लखनऊ-वाराणसी मार्ग पर लगा लंबा जाम।जौनपुर नगर के टीडी कॉलेज के दक्षिणी गेट के सामने उस समय हड़कंप मच गया जब नाले की सफाई के दौरान जेसीबी से गैस पाइपलाइन और पानी की पाइप फट गई। पाइप फटते ही एक ओर जहां गैस का तेज रिसाव शुरू हो गया। वहीं दूसरी ओर पानी फव्वारे की तरह सड़क पर बहने लगा। इस दोहरे संकट ने लखनऊ-वाराणसी मुख्य मार्ग को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। जिससे भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह नगर पालिका द्वारा पुलिस लाइन क्षेत्र में नाले की सफाई का कार्य कराया जा रहा था। कार्य में लगी जेसीबी जैसे ही टीडी कॉलेज के दक्षिणी गेट के समीप नाले की खुदाई करने लगी। वैसे ही अंडरग्राउंड गैस पाइप और जलापूर्ति की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। गैस के रिसाव और पानी के तेज बहाव से सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। जाम में फंसे स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं समेत आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोग अपनी गाड़ियां छोड़कर पैदल रास्ता ढूंढने लगे। वहीं, हादसा होते ही मौके पर कार्य कर रहे नगर पालिका के कर्मचारी और जेसीबी चालक वहां से भाग खड़े हुए। सूचना मिलते ही प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। गैस आपूर्ति विभाग ने रिसाव को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया।जबकि जल निगम की टीम ने पानी के बहाव को बंद कराने के लिए पाइपलाइन की मरम्मत कार्य में जुट गई। पुलिस द्वारा मार्ग को डायवर्ट कर यातायात व्यवस्था बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।स्थानीय लोगों ने इस घटना को नगर पालिका की लापरवाही बताया और कहा कि बिना किसी सर्वे या मानचित्र के इस प्रकार जेसीबी से खुदाई कराना गंभीर दुर्घटना को आमंत्रण देना है। मामले की जांच की मांग की जा रही है।वही इस मौके पर सभासद अनिल कुमार यादव नगर पालिका के कर्मचारी सहित इंडियन ऑयल अडानी गैस के भी कर्मचारी मौजूद रहे।

# शिक्षा से ही सामाजिक बदलाव और उन्नति संभव: कमलेश यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश महासचिव कमलेश यादव ने रविवार को मछलीशहर के कोठारी जरूरतमंद लोगों की मदद करें उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही ग्रामीण इलाको में आज भी कई परिजन गरीबी का बहाना कर बच्चों को स्कूल नहीं भेजता, तो कोई यह कहकर छुटकारा ले लेता है कि बच्चे का पढ़ने में मन नहीं लगता। हम सबकी ज़िम्मेदारी है कि ऐसे परिजनों को जागरूक करें कि वे हर परिस्थिति में अपने बच्चों को पढ़ने से न रोकें। शिक्षा में ही वो ताकत है जो उन्हें गरीबी से मुक्ति दिला सकती है। इसके साथ ही पाखण्ड और अंधविश्वास पर भी प्रहार करते हुये कहा कि समाज को इनसे दूर रहना चाहिए, समाज को बर्बाद और पीछे ले जाने के मुख्य कारण यही हैं। कार्यक्रम का आयोजन रमेश यादव जी के द्वारा किया गया।

सुभाष यादव प्रधान, तेज बहादुर यादव पूर्व प्रधान, अमरनाथ यादव नेता, फतेबहादुर यादव को सामाजिक कार्य करने के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। गोष्ठी में कोषाध्यक्ष राकेश यादव, ग्राम सभा में आयोजित एक गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा शिक्षा ही वो माध्यम है जो इन्सानों को पशुओं से अलग करती है।

शिक्षा व्यक्ति में सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करती है। शिक्षा से ही सामाजिक बदलाव और उन्नति संभव है शिक्षा वो अनमोल खजाना है जिसे न कोई चोर चोरी कर सकता है न ही कोई छीन सकता है। कहने के लिए तो हम आधुनिक युग में जी रहे हैं लेकिन आज भी लाखों लोग पैसे के अभाव में शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ऐसी दशा में समाज के पढ़े-लिखे और सक्षम लोगों का ये दायित्व होता है कि वे संजय यादव, अखिलेंद्र यादव, अनिल दीप चौधरी, निवर्तमान ज़िला महासचिव धर्मेंद्र यादव, जियालाल, विनोद यादव, संजय यादव, लालजी यादव, विजय बहादुर यादव, महादेवर यादव, कुंवर बहादुर यादव, गौरीशंकर, हरिनारायण, जगनारायण, जयनाथ, हीरालाल, राज बहादुर, राम इकबाल, धीरज यादव, रवि कुमार, राजेश यादव, राजधारी, कमलेश यादव, कन्हैया यादव, संत लाल यादव, शमशेर तीर्थ राज यादव, अखिलेश, अमरनाथ, कृष्ण कुमार, धर्मराज, विजय यादव आदि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

# गम व गिरया के साथ लुटा हुआ काफिया जुलूस आयोजित

**शिवकुमार प्रजापति**

शाहगंज.जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बड़ागांव में मोहर्रम के सिलसिले से 11वीं लुटा हुआ काफिया जुलूस निकाला गया। यह एतिहासिक जुलूस गांव के सै० सिब्तैन के अजाखाने से सोमवार को प्रातः लगभग 10:00 बजे आरंभ किया गया। जिसका संचालन असगर मेहंदी गुड्डू ने किया।जुलूस के दौरान स्थानीय अंजुमन नासरुल अजा, अंजुमन गुंच-ए नासिरुल अजा अंजुमन तमन्ना-ए जहरा, अंजुमन करवाने आजा, समेत क्षेत्र की अंजुमन अजादारिया हुसैनाबाद, अंजुमन करवाने हैदरी नई आबादी शाहगंज, अंजुमन गुलशन-ए अब्बास भादी शाहगंज, अंजुमन हैदरी नई आबादी शाहगंज, अंजुमन लश्करे हुसैनी बहाउद्दीनपुर, ने अपने-अपने अंदाज में नौहाख्वानी व सीना जनी पेश कर इमाम हुसैन की आल का पुर्सा दिया। जुलूस की अध्यक्षता सदरे हुसैनी मिशन सैयद जीशान हैदर द्वारा की गई जिसका नेतृत्व फैजान अली ने किया।

पूरे जुलूस के दौरान शाहगंज कोतवाली पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जिसमें प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह,, समेत उप निरीक्षक मुन्ना लाल शर्मा, मुख्य आरक्षी संतोष यादव, आनंद यादव, आरक्षी इस्माइल खान, सजाउद्दीन खान, समेत आदि पुलिसकर्मी मुस्तादी से तैनात रहे।जुलूस अपने प्राचीन मार्ग से भ्रमण करता हुआ बाजार मार्ग से रौज-ए पंजे शरीफ पर जाकर संपन्न किया गया। जिसमें समापन के दौरान जनरल सेक्रेटरी हुसैनी मिशन सैयद परवेज मेहदी शहर आरशी ने जुलूस में आए हुए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कर्बला में हुई घटनाओं पर प्रकाश डाला। जिसके बाद समापन की अंतिम तकरीर मौलाना सैयद आजमी अब्बास द्वारा की गई जिसके बाद जुलूस को सकुशल संपूर्ण रूप से संपन्न कर दिया गया। जुलूस के दौरान मोहम्मद वारिस हाशमी, समीम हैदर, बबलू इलेक्ट्रीशियन, हसन मेंहदी,मोहम्मद अकरम, सैयद फरमान हैदर, दुलारे खान, जावेद खान, जफर खान, एजाज बुद्ध, मोहम्मद रजा, सैयद करनैन, मोहम्मद कैफी, जाकिर हुसैन सैजी, रईस अहमद,समेत हजारों हजारों श्रद्धालु मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# मानी कलाँ: जल भराव होने से राहगीरों को आने जाने में हो रही है कठिनाइयां

**आफताब आलम**

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलाँ में नसीराबाद चौक से अम्बेडकर प्रतिमा के बीच में खान मोबाइल सेंटर की दुकान के सामने जल भराव होने से दुकानदार से लेकर राहगीरो को आने जाने में काफी कठिनाइयाँ होती है। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि मेहरावा से लेकर डोभी तक मार्ग का चौड़ी कारण बताया जा रहा है।

जब इस सम्बन्ध में उत्तर शक्ति हिन्दी दैनिक के संवाददाता डॉ.इम्तियाज अहमद (उर्फ.बाबू भाई) ने दूर भाष के माध्यम से (पी डब्लू डी)के जेई विनोद कुमार यादव से सम्पर्क किया। तो जेई का कहना था की पहले चरण का काम मेहरावा से लेकर मानीकलाँ पुराने शराब के ठेके तक डामर का काम हो चुका है। वर्तमान में पोराई कलाँ में सी सी का काम चल रहा है।जहाँ जहाँ सी सी रोड और नाली का काम बचा है। जल्द ही उसको पूरा कर दिया जाएगा। मानीकलाँ में जो काम रह गया है उस काम को जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा जो भी कठिनाइयाँ हो रही जल्द ही समाप्त हो जाएगी।

## समाजसेवी दीपक वोरा का जन्मदिन एवं विवाह का वर्षगांठ मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। एनसीपी (शरद चंद्र पवार) के समाजसेवी एवं धैर्यवान मित्र, जिला संगठन सचिव (वसई विरार शहर) दीपक अमृता विरजी वोरा के जन्मदिन एवं विवाह की सालगिरह के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों, पुलिस बल, पत्रकारों, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों एवं समाजसेवियों के सम्मान के साथ अमृत स्वास्थ्य शिविर द्वारा शुक्रवार 4 जुलाई को सायं 6 बजे से 9 बजे तक साईछाया हाई स्कूल, वीरमाता जीजय नगर, मोरेगांव, नालासोपारा पूर्व में बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर तुलिंज पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक विजय जाधव एवं उनके सहयोगियों तथा समाजसेवी संजय जाधव, नीलेश चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार आर.आर.सिंह, अजय सिंह एवं अन्य पत्रकार बंधू और एनसीपी (शरद चंद्र पवार) के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा ने दी है।

## पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी15 जुलाई को होगी दो पाली में पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की 15 जुलाई, 2025 को आयोजित होने वाली पीएच-डी. प्रवेश परीक्षा का प्रवेश पत्र सोमवार को कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने ऑनलाइन जारी किया है। कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि 15 जुलाई को विश्वविद्यालय परिसर के 08 परीक्षा केन्द्रों पर प्रातः 10.30 बजे से 12.30 बजे तक तथा 2.00 से 4.00 बजे के मध्य दो पालियों में सम्पन्न होगी। परीक्षार्थियों को प्रातः 9.00 बजे तक अपने केन्द्र पर पहुंचना होगा। पीएचडी प्रवेश परीक्षा 49 विषयों में होगी जिसमें 4149 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होगें। इनका एडमिट कार्ड समर्थ पोर्टल के माध्यम से जारी किया गया है। अभ्यर्थी अपना एडमिट कार्ड समर्थ पोर्टल पर लॉगिन कर डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा के लिए अभ्यर्थी अपने साथ नवीनतम फोटो पहचान पत्र, ब्लू, ब्लैक बाल प्वाइन्ट पेन ले आयेंगे।

अभ्यर्थियों को अपने साथ कोई भी इलेक्ट्रानिक्स उपकरण-स्मार्ट वाच, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ डिवाइस आदि परीक्षा में लाना पूर्णतया प्रतिबन्धित है। एडमिट कार्ड में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर vbspucret@gmÔil.com पर मेल कर सकते हैं। एडमिट कार्ड जारी करते समय कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह, प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ.मनीष प्रताप सिंह, उप कुलसचिव अमृत लाल, अजीत प्रताप सिंह एवं डॉ. धीरेन्द्र चौधरी उपस्थित थे।

## वांछित आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा मारपीट व हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित आरोपी दुर्गेश उपाध्याय को किया गया गिरफ्तार। क्षेत्राधिकारी बदलापुर के पर्वेक्षण में थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु०अ०सं०- 187/2025 धारा 191(2),115(2),352, 351(2), 109,119 बीएनएस से सम्बन्धित वांछित आरोपी 1. दुर्गेश उपाध्याय पुत्र अशोक उपाध्याय निवासी ग्राम पतहना थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर को मुखबिर की सूचना पर आज 07.07.2025 को हरीपुर बाजार से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया।

## पुलिस ने हत्या के प्रयास से सम्बन्धित दो वांछित आरोपियों को किया गिरफ्तार

मछलीशहर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक मछलीशहर के नेतृत्व में उ0नि0 शान मोहम्मद खाँ मय हमराह का0 योगेश कुमार का0 अमरजीत यादव द्वारा आज 07.07.2025 को थाना मछलीशहर पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 200/25 धारा 191(2)/ 191(3)/ 115(2)/ 352/351(3)/118(1)/333/109(1) बी0एन0एस0 थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर से संबंधित वांछित आरोपीगण 1.महेन्द्र पटेल पुत्र स्व0 भैयाराम पटेल 2.मुकेश पटेल पुत्र महेन्द्र पटेल निवासीगण नूरपुर मतरी थाना मछलीशहर जौनपुर को मथुरा बाजार से सुबह गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के समय मा0 उच्चतम न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेश/निदेर्शों का पालन किया गया है। तथा गिरफ्तार शुदा आरोपी को मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है ।

## झाड़-फूंक करने वाले ने महिला को पीटा... गंदा पानी पिलाया, मौत

**आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)।** तहबरपुर थाना क्षेत्र के नयापुरा निवासी अनुराधा (35) पत्नी रंजीत यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला एक माह से अपने मायके कंधरापुर थाना क्षेत्र के पहलवानपुर गांव में पिता बलिराम यादव के घर रह रही थी। बताया जा रहा है कि उसकी कोई संतान नहीं थी, जिसे लेकर वह मानसिक तनाव में रहती थी। इस बीच गांव के ही एक कथित सोखा चंदू ने 22000 रुपये लेकर महिला को संतान होने की गारंटी दी थी। रविवार की रात उसने झाड़फूंक के नाम पर महिला को न सिर्फ पीटा बल्कि गला दबाया और कथित रूप से नाबदान का गंदा पानी भी पिला दिया। महिला की हालत बिगड़ने पर आरोपी उसे ऑटो से लेकर जिला अस्पताल पहुंचा, लेकिन चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। इसके बावजूद सोखा चंदू महिला को घर लाकर कहता रहा कि वह बेहोश है, होश में आने पर मायके भेज देंगे। देर रात जब महिला की मौत की सूचना परिजनों और ग्रामीणों को हुई तो गांव में हड़कंप मच गया।

## ग्राम पंचायत सिधौना में विगत कई सालों से नहीं है सफाई कर्मी

-मुहम्मद आरिफ

सिधौना, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। ग्राम पंचायत सिधौना एक बड़ा गांव है।इस समय झमाझम बारिश हो रहा है,जहां विगत कई सालों से सफाई कर्मी नहीं है। सिधौना गांव और सिधौना बाजार में आए दिन कूड़ो का अंबार लगा रहता है। जिससे गांव के नाले जाम हो जाते हैं। आए दिन सड़कों पर गंदगी दिखाई देती रहती है। बारिश का मौसम चल रहा है आए दिन बारिश हो रही है। जिससे जमा हुए कूड़े पानी में फैल कर सड़न एवं गंदगी उत्पन्न कर रहे हैं। जगह-जगह बदबू उत्पन्न हो रही है,गंदगी की वजह से मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। सिधौना बाजार में स्थित शिवा शिव मंदिर स्थल के चारों तरफ बारिश का पानी जमा हो गया

है।पहले के फेके गए कूड़े जल में तैर रहे हैं रुका हुआ पानी में सड़न उत्पन्न हो रहा है।कुछ पानी तो निकल जाता है लेकिन कुछ पानी तो कड़ी धूप होने पर ही सुख पाता है। सिधौना गांव में भी इस समय नाले की सफाई न होने की वजह से नाले जाम है और नाले सहित बारिश का पानी रोड पर बह रहा है जिससे आने जाने वाले ग्रामीणों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन शासन प्रशासन का ध्यान इस विषय पर नहीं है उक्त ग्राम सभा सिधौना मे सिद्धेश्वरी माता का प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर भी है।जहां मंदिर के चारों तरफ प्रतिदिन साफ- सफाई की आवश्यकता पड़ती है लेकिन सफाई कर्मी नहीं रहने से सुचारू रूप से मंदिर परिसर की साफ सफाई नहीं हो पा रही है। इस विषय पर कई बार समाचार लिखा गया लेकिन शासन प्रशासन का ध्यान अभी तक आकृष्ट नहीं हुआ है ।जिससे इस विषय पर लोगों में रोस व्याप्त है। जगह-जगह पर कूडों के इकट्ठा हो जाने के कारण बरसात के पानी का रास्ता भी जाम हो जाता है। जनहित को ध्यान में रखते हुए शासन प्रशासन का ध्यान पुनः इस विषय पर आकृष्ट कराया जा रहा है कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो सके जिससे लोग इस समस्या से निजात पा सके।

## शांति भंग में 9 महिलाएं सहित 11 को पुलिस ने किया शांतिभंग में पाबंद

खेतासराय, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोमवार को खेतासराय पुलिस ने दो अलग-अलग घटनाओं में कुल 11 लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार कर चालान कर न्यायालय भेज दिया। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया कि कस्बा के वार्ड नंबर 4 बभनौटी वाईफाई पासवर्ड को लेकर उपजे विवाद में एक पक्ष से बिदुम पत्नी विद्यासागर (50 वर्ष), सोनू पुत्री विद्यासागर (27 वर्ष), संजना पुत्री विद्यासागर (22 वर्ष), रंजना पुत्री विद्यासागर (19 वर्ष) व द्वितीय पक्ष से मखनचू पुत्र शारदा सोनकर (50 वर्ष), मीला पत्नी मखनचू (48 वर्ष), प्रीति सोनकर पुत्री मखनचू (20 वर्ष), हीना पुत्री मखनचू (22 वर्ष) शामिल है। वहीं क्षेत्र के मुस्तफाबाद में छोटे-छोटे बच्चों के पारिवारिक विवाद को लेकर हुए झगड़े में 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। तीनों को शांतिभंग में चालान कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अनिल कुमार पाठक, उपनिरीक्षक भोलानाथ सिंह, हेड कांस्टेबल दिवाकर यादव, कांस्टेबल बृकेश यादव, महिला आरक्षी अन्तिमा सिंह, नेहा यादव व आशा गुप्ता शामिल रही।

## नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड वेल्फेयर फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा वृक्षारोपण

जौनपुर। आज नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड वेल्फेयर फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा श्री राम जानकी प्राथमिक विद्यालय घनश्यामपुर व श्री समरथ्थी राजाराम दिव्यांग एवं बालिका शिक्षण संस्थान कुशहां घनश्यामपुर जौनपुर व चौरा माता मन्दिर बड़ेरी में पर्यावरण संरक्षण के लिए 2100 आम,आंवला, सीताफल, जामुन,सहजन बेल आदि फलदार वृक्षों का रोपण व बच्चों को बृक्षारोपण व उसके संरक्षण के संकल्प के साथ वृक्ष वितरण किया गया।

संस्था के संस्थापक-अध्यक्ष फिल्म निर्देशक निमार्ता आलोक तिवारी ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिये हमारे पर्यावरण कार्यकताओं द्वारा 51000 वृक्ष रोपित करने का संकल्प लिया गया है,जलवायु परिवर्तन आज इस धरती व मानवता के लिये बहुत बड़ा खतरा है,पर्यावरण का संरक्षण करना हमारा धर्म व कर्तव्य है,बच्चों व युवाओं को संस्कृति व संस्कार से जोड़ना जरूरी है जहाँ वृक्षों को बच्चे की तरह पालन-पोषण व माता-पिता की तरह पूजना आवश्यक है।

इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष राहुल सिंह, विधिक सलाहकार अश्वनी मिश्रा,अवधी फिल्म निर्देशक राज साहिल व श्री समरथ्थी राजाराम दिव्यांग एवं बालिका शिक्षण संस्थान कुशहां घनश्यामपुर के प्रधानाचार्य प्रमोद तिवारी प्रबंधक अजय कुमार सिंह,अध्यापक अमर सिंह अंतिम रंजू. सिंह. विष्णुकांत तिवारी वीरेंद्र यादव व श्री राम जानकी प्राथमिक विद्यालय घनश्यामपुर के प्रधानाचार्य महेन्द्र यादव,प्रबंधक नीरज तिवारी

अध्यापकगण सुधांशु यादव, रामबचन शर्मा , शिव प्रकाश यादव, पवन सिंह, शिवप्रसाद यादव आदि व पर्यावरण मित्र अंकुश यादव, पवन यादव, जशवंत हरिजन, नितेश गुप्ता, धीरज रजक आदि मौजूद थे

## इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में 5,000 स्कूलों के विलय के खिलाफ याचिका खारिज की

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने एक महत्वपूर्ण कानूनी फैसले में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य भर में 5,000 स्कूलों के विलय के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। न्यायालय ने सीतापुर के 51 बच्चों द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। जिन्होंने विलय प्रक्रिया को रोकने की मांग करते हुए दावा किया था कि इससे उनकी शिक्षा प्रभावित होगी। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने योगी आदित्यनाथ सरकार की योजना को बरकरार रख। जिससे स्कूलों के विलय का रास्ता साफ हो गया। याचिकाकताओं ने तर्क दिया था कि कम छात्रों वाले स्कूलों को बड़े संस्थानों में एकीकृत करने से पढ़ाई का माहौल खराब होगा। हालांकि, अदालत ने उनकी याचिका खारिज करते हुए राज्य के फैसले के पक्ष में फैसला सुनाया। विलय योजना कम नामांकन संख्या वाले स्कूलों के कामकाज को अनुकूलित करने के लिए राज्य सरकार की व्यापक पहल का हिस्सा है। सरकार ने लगभग 5,000 स्कूलों की पहचान की है जहाँ छात्र संख्या काफी कम है। जिससे वे स्वतंत्र रूप से संचालित करने में अक्षम हैं। योजना के अनुसार, इन स्कूलों को आस-पास के उन स्कूलों में विलय कर दिया जाएगा जिनमें नामांकन अधिक है।जबकि कम उपयोग वाले परिसरों को बंद कर दिया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत, छोटे स्कूलों के छात्रों को पास के अन्य संस्थानों में समायोजित किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है और छात्रों को अधिक मजबूत शिक्षण वातावरण तक पहुँच प्रदान करना है।

## मिंत्रा ने मुंबई में एम-नाउ पेश किया

मुंबई। भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी, और लाईफस्टाईल प्लेटफॉर्म्स में से एक, मिंत्रा ने दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में अपनी त्वरित डिलीवरी सेवा, एम-नाउ पेश की है। इससे पहले इस सेवा को बैंगलुरू के ग्राहकों से बहुत शानदार प्रतिक्रिया मिल चुकी है। अब एम-नाउ तीनों महानगरों में 600 से अधिक ब्रांड्स की 90,000 से अधिक ट्रेंड-फर्स्ट एसकेयू (स्टॉक कीपिंग यूनिट्स) उपलब्ध करा रहा है। मिंत्रा के इस विस्तार में बैंगलुरू, दिल्ली और मुंबई में कंपनी के 40 से अधिक डार्क स्टोर्स के बढ़ते हुए नेटवर्क का योगदान है। एम-नाउ ने पिछली तिमाही में तेजी से बढ़ती हुई फैशन श्रेणियों के साथ प्रतिदिन मिलने वाले ऑर्डर में लगभग दोगुना वृद्धि की। वैलेंटाइन डे के अवसर पर एम-नाउ

पर मिलने वाले ऑर्डर 4.5 गुना बढ़े, तो वहीं सामान्य दिनों की तुलना में नए ग्राहकों में 5 गुना वृद्धि हुई। जिन श्रेणियों में वृद्धि तेज थी, उनमें ड्रेस, परफ्यूम, वॉच, टी-शर्ट, शर्ट और एक्सेसरीज आदि शामिल हैं। मैंगो, फॉसिल, कैल्विन क्लेन और हाईडसाईन जैसे ब्रांड्स के प्रीमियम गिफ्ट्स में भी 4 गुना उछाल आया। ड्रेस, ग्रूमिंग, वर्क-आउट, होम डेकोरेशन और गिफ्ट्स की मांग भी काफी मजबूत रही। इस बारे में शैरन पायस, चीफ बिजनेस ऑफिसर, मिंत्रा ने कहा, स्पीड, मिंत्रा के लिए सर्वश्रेष्ठ ग्राहक अनुभव के मूल सिद्धांतों में से एक है, जिनके लिए मिंत्रा मशहूर है। एम-नाउ के साथ, हम फैशन में सुविधा का अर्थ फिर से परिभाषित कर रहे हैं, जिसमें संग्रह और प्लेटफॉर्म अनुभव की व्यापकता के साथ स्पीड का मेल है।

## एचजीएच इंडिया ने 710 शहरों और 32 देशों से 43,920 आगंतुकों को आकर्षित किया

मुंबई। होम टेक्सटाइल, होम डेकोर, फर्नीचर, हाउसवेयर और उपहारों के लिए देश के अग्रणी द्वि-वार्षिक व्यापार शो एचजीएच इंडिया ने मुंबई में अपने 17वें संस्करण का समापन किया, जिसमें होम और लाइफस्टाइल उद्योग तथा व्यापार से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली. बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में 1 से 4 जुलाई तक आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रम में 710 भारतीय शहरों और 32 देशों से 43,920 व्यापार से संबंधित आगंतुकों का स्वागत किया गया, जिसने घरेलू श्रेणी में नवाचारों के लिए भारत के प्रभावशाली मंच के रूप में अपनी स्थिति को स्पष्ट किया. जुलाई 2024 के संस्करण की तुलना में इस शो में कुल व्यापारिक आगंतुकों में 4.22% की वृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों में 16.58% की वृद्धि देखी गई, जिसमें फर्निशिंग, सजावट, किचनवेयर, फर्नीचर,

हाउसवेयर और गिफ्टिंग सेगमेंट में खरीदारों की महत्वपूर्ण रुचि रही. प्रबंध निदेशक श्री अरुण रूंगटा ने कहा कि एचजीएच इंडिया के 17वें संस्करण ने एक बार फिर भारत के घरेलू उत्पाद उद्योग की ताकत और विविधता व इसके घरेलू बाजार की बढ़ती क्षमता को प्रमाणित किया है. उच्च मात्रा वाले व्यापार खरीदारों और डिजाइन पेशेवरों से लेकर उभरते ब्रांडों व वैश्विक निमार्ताओं तक की इस वर्ष की भागीदारी में परिपक्वता देखी गई एवं एक नई सोच को दशार्या. श्री रूंगटा ने कहा कि हमें नवाचारों, डिजाइन, सोर्सिंग और रणनीति के मजबूत मिश्रण के साथ घरेलू श्रेणी के लिए भारतीय घरेलू बाजार को आगे बढ़ाने पर गर्व है. उन्होंने कहा कि यह संस्करण एचजीएच इंडिया की भूमिका को और मजबूत करता है, जहां भारत में घरेलू व्यवसाय का भविष्य आकार लेता है।

## आदित्य कॉलेज शिंपोली स्टेशन: मुंबई मेट्रो में एक नया अध्याय

मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के साथ एक ऐतिहासिक सहयोग में, आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स (एजीआई) ने येलो लाइन 2ए के शिंपोली मेट्रो स्टेशन के नामकरण अधिकार हासिल किए हैं। अब यह स्टेशन आधिकारिक रूप से आदित्य कॉलेज शिंपोली स्टेशन के नाम से जाना जाएगा। बोरीवली के दिल में स्थित यह स्टेशन प्रतिदिन हजारों यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट हब के रूप में कार्य करता है।

हम इस परिवर्तनकारी पहल का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं, आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स (एजीआई) के ट्रस्टी श्री आशीष एच. मिश्रा ने कहा। यह साझेदारी शहर के साथ हमारे लंबे संबंधों और इसकी प्रगति में सार्थक योगदान देने की हमारी दृष्टि को दशार्ती है। यह रणनीतिक सहयोग न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाता है, बल्कि सार्वजनिक अवसंरचना और सतत गतिशीलता को समर्थन देने के लिए आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स (एजीआई) की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। इस कार्यक्रम में आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स (एजीआई) के कई विशिष्ट अतिथि और सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे। संस्थान के चेयरमैन और फाउंडर ट्रस्टी डॉ. हरीशचंद्र एस. मिश्रा, ट्रस्टी आशीष एच. मिश्रा और आदित्य एच. मिश्रा की उपस्थिति रही। समूह के रणनीतिक सलाहकार डॉ. राजन सक्सेना, जो एसवीकेएम' एस एनएमआईएमएस (मुंबई) के पूर्व कुलपति, आईआईएम इंदौर के संस्थापक निदेशक और एसपीजेआईएमआर एवं आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल के पूर्व निदेशक रह चुके हैं, ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। गुरुनाथ दळवी, जो आदित्य कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर (एसीए) के मेंटर हैं, भी उपस्थित थे।

## नवमनोनीत प्रदेश सचिव समाजवादी महिला सभा उषा जायसवाल का हुआ जोरदार स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी सदर विधानसभा द्वारा गुलाबी देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिद्धिकपुर में नवमनोनीत प्रदेश सचिव महिला सभा उषा जायसवाल का स्वागत समारोह आयोजित हुआ जिसमें पूर्व विधायक अरशद खान की अगुवाई में सदर विधानसभा के अध्यक्ष वीरेंद्र यादव की अध्यक्षता में पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक अरशद खान ने कहा कि निश्चित रूप से प्रदेश सचिव के रूप में उषा जायसवाल के मनोनीत होने से पार्टी का महिलाओं में पैठ और बढ़ेगी। विधानसभा प्रभारी सुशील दुबे ने कहा कि महिलाओं की सहभागिता पार्टी के अंदर और बढ़ानी चाहिए ताकि हम परिवार के अंदर तक अपने मतदाताओं की संख्या बढ़ा सके। वहीं जिला महासचिव आरिफ हबीब ने कहा कि हमारी बहन उषा

जायसवाल को चुनाव लड़ने का अनुभव है जिससे उनके अनुभव पार्टी के काम आएंगे। नवमनोनीत प्रदेश सचिव उषा जायसवाल कहा कि पार्टी की रीतियों, नीतियों को महिलाओं के माध्यम से हर परिवार तक पहुंचाने का कार्य करूंगी और सरकार की गलत नीतियों का विरोध पार्टी के निदेर्शानुसार करती रहूंगी। पार्टी जो भी आदेश देगी उसका अक्षरशः पालन करते हुए पार्टी के उम्मीदों पर खरा उतरने का कार्य करूंगी। इस मौके पर पूर्व जिला महासचिव हिसामुद्दीन शाह, छात्रसभा के जिलाध्यक्ष दिलीप प्रजापति, दशरथ यादव, चंद्रशेखर यादव, रमेश बिंद, मतभारत बिन्द, जितेंद्र यादव, पिंटू, मंजय कनौजिया, सुशील यादव, पूनम यादव, सोनी सेठ, सोनी यादव, विजय यादव, रवि यादव, शाहिद सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विधानसभा सचिव रामकेश बिन्द ने किया।

# अभाव से उपलब्धि तक : शशांक जायसवाल बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

-सुरेश गांधी

वाराणसी. अथक मेहनत, अटूट धैर्य और न रुकने वाली जिद की मिसाल बने अटेसुआ मुदार्हा बाजार, वाराणसी निवासी शशांक जायसवाल पुत्र राजेश जायसवाल ने वह कर दिखाया जो कई युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। शशांक ने कड़े आर्थिक संघर्षों, सीमित संसाधनों और सामाजिक दबावों के बावजूद चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है। साधारण परिवार से आने वाले शशांक के लिए यह सफर आसान नहीं था। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई का खर्च खुद उठाना पड़ा। इसके लिए उन्होंने स्कूल के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया। दिन में आर्टिकलशिप का व्यस्त ऑफिस शेड्यूल और शाम को ट्यूशन, इसके बाद देर रात खुद की पढ़ाई, यह उनकी दिनचर्या बन गई थी। शशांक की सफलता केवल एक अकादमिक उपलब्धि नहीं है, यह संघर्ष, समर्पण और

आत्म-विश्वास की एक गहरी कहानी है। शशांक ने अपने पिता का वो सपना पूरा कर दिखाया है, जो उन्होंने देखा था। इस सफलता की कहानी सिर्फ मेहनत की नहीं, बल्कि एक पिता के सपने और एक मां की मजबूत हिम्मत की भी है। इस परीक्षा में कुल 1,42,402 छात्रों ने भाग लिया था, जिनमें से मात्र 14,247 ही इसे पास कर सके, जो इस परीक्षा की कठिनता को दर्शाता है।

दसवीं के बाद शशांक ने कॉमर्स विषय को चुना और तभी से चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का लक्ष्य तय कर लिया था। 12वीं के बाद उन्होंने सीपटी (कामन प्रोफिएंसी टेस्ट) को पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक पास किया, और आगे की पढ़ाई के लिए गांव से शहर चले गए। उन्होंने लॉकडाउन के कठिन दौर में भी इंटरशिप जारी रखी, जब अधिकांश छात्र मानसिक दबाव में आकर पढ़ाई से भटक गए थे। लगभग दो महीने तक शशाक को गांव व शहर के बीच रोज आना-जाना भी करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी इस बीच इग्नू से बीकाम की भी डिग्री हासिल की. शंशांक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को देते हुए कहा, ह्लमेरे हर निर्णय में मां-पापा ने मेरा पूरा समर्थन किया। पापा ने मुझे कभी किसी और जिम्मेदारी में नहीं डाला, और मां ने मानसिक रूप से मुझे हमेशा मजबूत बनाए रखा। अब शशांक का सपना है कि वह किसी प्रतिष्ठित सीए फर्म में अनुभव हासिल कर भविष्य में अपनी खुद की चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म स्थापित करें। उनकी इस सफलता पर परिवार, शिक्षक, मित्र और गांववासी उन्हें बधाई दे रहे हैं। शशांक कहते हैं, नींद मेरे लिए विलासिता थी, लेकिन सपना बड़ा था। मैंने हर कठिनाई को पार करने का संकल्प लिया था।

# मंदिर ले जाने के साथ-साथ बच्चों को धर्म और संस्कृति का ज्ञान कराएं : संजय उपाध्याय

मुंबई। आपके लिए अपने बच्चों को मंदिर ले जाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि उन्हें अपने धर्म और अपनी संस्कृति की जानकारी कराएं। यही कार्य श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ अब तक करता आया है। शिक्षा के साथ धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान भी होना आज के युग की आवश्यकता है, ऐसे विचार भाजपा के विधायक संजय उपाध्याय ने रविवार को मुंबई में व्यक्त किए। श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से वर्ष 2025 में कक्षा 1 से 36 तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित धार्मिक परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए। इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए 109 विद्यार्थियों का श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से शानदार तरीके से सम्मान किया गया। इस समारोह में वे प्रमुख अतिथि के रूप में बोल रहे थे। श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह ने इस अवसर पर कहा कि यदि 5 वर्ष से लेकर 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों को विदेशी भाषा, संस्कृत भाषा, हिंदी और मराठी भाषा के साथ-साथ धार्मिक शिक्षा नई तकनीक के माध्यम से दी

जाए, तो उनके सर्वांगीण विकास को अवश्य ही प्रेरणा मिलेगी। संस्कृत भाषा, विदेशी भाषा और अंग्रेजी भाषा के साथ धार्मिक शिक्षा की नई तकनीक के माध्यम से 50,000 से अधिक बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने का हमारा उद्देश्य है। धार्मिक शिक्षा की इस नई तकनीक से भारत ही नहीं, बल्कि उन देशों में भी लाभ पहुंचेगा जहाँ जैन बच्चे रहते हैं। बच्चों में संस्कारों की शुरूआत का पहला चरण होता है पाठशाला। जैन शासन का प्राण ही है पाठशाला। इन पाठशालाओं से जो विद्यार्थी निकलते हैं, वे भविष्य में जैन शासन के साधु-साध्वी, सुश्रावक-सुश्राविका, ट्रस्टी, स्वयंसेवक और रक्षक बनते हैं। वर्तमान समय में बच्चों को धार्मिक शिक्षा देना संस्था की प्राथमिकता है। यदि बच्चों में धार्मिक संस्कार होंगे, तो उनका निश्चित रूप से विकास होगा, इसके लिए संस्था सतत प्रयासरत है। जैन धर्म के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य ये बच्चे बड़े होकर करेंगे। यह पाठशाला जैन धार्मिक शिक्षा के प्रचार और समाजसेवा में संस्था के बढ़ते योगदान का प्रतीक है। श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के ट्रस्टी अशोक नरसिंह चरला ने बताया कि मुंबई की 450 से अधिक स्कूलों में 1300 से अधिक शिक्षक योगदान दे रहे हैं। आज मुंबई की स्कूलों में 50,000 से अधिक बच्चे धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के महिला विभाग की उपाध्यक्ष अल्पाबेन संजयभाई शाह ने बताया कि जैन धर्म विश्व का एक प्राचीन और वैज्ञानिक धर्म है, जो जीवदया, अहिंसा और आत्मशुद्धि पर आधारित है। पाठशाला इस धर्म के मूल स्वरूप और सिद्धांतों को बच्चों में अंकुरित करने का पवित्र कार्य करती है। पाठशालाओं के माध्यम से बच्चों को धार्मिक ज्ञान के साथ-साथ संस्कार, नैतिक मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी शिक्षा दी जाती है। यह आनेवाली पीढ़ी को धर्म और संस्कृति से जोड़े रखने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है, जो उन्हें विनय, विवेक और जीवदया जैसे गुण सिखाकर आत्मा के महत्व की भावना से जोड़ता है। इस अवसर पर गच्छाधिपती परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री राजेंद्र सुरीश्वरजी महाराज, परमपूज्य आचार्य भगवंत श्री मुक्ति वल्लभ सुरीश्वरजी महाराज, परमपूज्य आचार्य भगवंत श्री धर्म यश सुरीश्वरजी महाराज, जवाहरलाल मोतीलाल शाह, सुरेशभाई देवचंद संघवी, संजयभाई शाह, अशोक नरसिंह चरला, उषाबेन हेमेन्द्र दोशी, अल्पाबेन संजयभाई शाह, विमलेशभाई और किरीटभाई फोपाणी ने भी अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। इस समारोह में अनेक गणमान्य अतिथियों और विभिन्न संस्थाओं के ट्रस्टीज का श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से सम्मान किया गया।

# भीलवाड़ा के संगम स्कूल ने जीता स्टडी ऑस्ट्रेलिया एंटरप्रेन्योरशिप चैलेंज 2025 इंडिया

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित संगम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के छात्रों ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा आयोजित ह्यस्टडी ऑस्ट्रेलिया एंटरप्रेन्योरशिप चैलेंज 2025 इंडिया में शानदार जीत दर्ज की है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त माननीय श्री फिलिप ग्रीन ओएएम ने की। तीन हफ्तों तक चले इस हाइब्रिड प्रोग्राम का आयोजन ऑस्ट्रेलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमीशन (ऑस्ट्रेड) द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य 10वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों में नवाचार, नेतृत्व और समस्या-समाधान जैसी व्यावहारिक क्षमताओं को विकसित करना था। इस कार्यक्रम में देशभर के 16 शहरों से 60 स्कूल टीमों ने भाग लिया। छात्रों ने तीन-तीन की टीमों में काम करते हुए ग्रीन टेक और सस्टेनेबल सॉल्यूशन्स, ह्यूमन-सेंटर्ड एआई और सामाजिक कल्याण के लिए डिजिटल समाधान जैसे विषयों पर आधारित वैश्विक चुनौतियों का हल निकालने के लिए व्यावसायिक विचार तैयार किए और उन्हें प्रस्तुत किया। फाइनल में पहुँची छह टीमों ने नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जजों के पैनल के सामने अपने प्रोजेक्ट्स पेश किए। इस अवसर पर उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ओएएम ने कहा, मैं विजेता टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभाशाली छात्रों की सराहना करता हूँ। हर साल भारत के विभिन्न हिस्सों से युवा छात्र जिस रचनात्मकता और समझदारी के साथ वास्तविक समस्याओं के समाधान पेश करते हैं, वह सराहनीय है। यह प्रतियोगिता ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा साझेदारी की मजबूती और अगली पीढ़ी के नवप्रवर्तकों को सशक्त बनाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

# ओडिसी इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया नया रेसर नियो, कीमत सिर्फ 52,000 रुपये

मुंबई। भारत के तेजी से उभरते प्रीमियम इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर ब्रांडों में शामिल ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने आज अपने लोकप्रिय स्कूटर रेसर का नया और उन्नत संस्करण रेसर नियो लॉन्च किया। दमदार परफॉर्मेंस, आधुनिक फीचर्स और उन्नत बैटरी टेक्नोलॉजी के साथ रेसर नियो को खासतौर पर भारतीय यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 52,000 (ग्राफीन बैटरी) और 63,000 (लिथियम-आयन बैटरी) रखी गई है। रेसर की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, नया रेसर नियो पहले से कहीं अधिक भरोसेमंद और यूजर-फ्रेंडली फीचर्स के साथ आया है। इसे शहरों और कस्बों में रोजाना सफर करने वालों के लिए तैयार किया गया है। इसमें 250 वॉट की मोटर दी गई है, जिसकी टॉप स्पीड 25 किमी प्रति घंटा है। यह पूरी तरह से लो-स्पीड ईवी मानकों के अनुरूप है, जिससे इसे चलाने के लिए न तो लाइसेंस चाहिए और न ही रजिस्ट्रेशन। यही वजह है कि यह मॉडल छात्रों, प्रोफेशनल्स और डिलीवरी राइडर्स के बीच खासा लोकप्रिय साबित हो सकता है।

रेसर नियो दो बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है – ग्राफीन और लिथियम-आयन। एक बार चार्ज करने पर यह स्कूटर 90 से 115 किमी तक की प्रमाणित रेंज देता है, जो इसे रोजमर्रा के सफर के लिए किफायती और सुविधाजनक बनाता है। इसके अलावा, इसमें कई स्मार्ट फीचर्स दिए गए हैं जो राइडर को बेहतर कंट्रोल और आरामदायक अनुभव प्रदान करते हैं।

# संस्कृत विद्यालय में किए चार पंखे भेंट

चिराना। चिराना निकटवर्ती राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय पुरोहितों की ढाणी में उमस भरी गर्मी और बदलते मौसम की तपन से राहत दिलाने के लिए विद्यार्थियों के हित एवं विद्यालय विकास में अपना सहयोग करते हुए भामाशाह इंद्र सिंह भाटी ने विद्यालय परिवार को चार छत पंखे भेंट कर पुनीत योगदान किया है। विद्यालय परिवार ने एसएमसी अध्यक्ष बनवारी लाल जांगिड़ एवं प्रधानाचार्य किशोरी लाल सिंघल के नेतृत्व में आज भामाशाह इंद्र सिंह भाटी का साफा व माला पहनाकर शानदार अभिनंदन किया। इस मौके पर भामाशाह इंद्र सिंह भाटी बोले विद्यार्थी हितों के लिए एवं विद्यालय के विकास के लिए मै निरंतर सहयोग करता रहूंगा। इस दौरान भामाशाह को प्रेरित करने में प्रेरणापुंज बने शिक्षक संतोष कुमार कुमावत एवं महावीर प्रसाद, प्रदीप कुमार शर्मा ,मनीष कुमार ,मुकेश कुमार ,जयप्रकाश गंगाधर कल्याण, गोवर्धन शर्मा गायत्री रेगर ,पूजा पारीक, मुकेश कुमार सहित एसएमसी व एसडीएमसी सदस्य मौजूद रहे।

# सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट एवं तथास्तु वेलफेयर एसोसिएशन ने मिलकर चलाया वृक्षारोपण संकल्प अभियान

**मुंबई (उत्तरशक्ति)**। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई से पर्यावरण रक्षा की दिशा में एक सशक्त पहल करते हुए, सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट और तथास्तु वेलफेयर एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से 6 जुलाई को वृक्षारोपण संकल्प अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य था, हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल का संकल्प ले। अभियान का संदेश देशभर में फैलाया गया और कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया गया कि वे स्वेच्छा से पौधे लगाकर उसकी तस्वीर संस्था के साथ साझा करें। मुंबई के कल्याण (पूर्व) क्षेत्र में विशेष योगदान रहा, जहां 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। अजय प्रजापति झ संस्थापक, सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट, ललित प्रजापति झ संस्थापक, तथास्तु वेलफेयर एसोसिएशन, विनोद प्रजापति झ सचिव बच्चेलाल प्रजापति, गणेश पांडा, विनोद प्रजापति (कल्याण पूर्व), सूरज प्रजापति, सूर्यांश प्रजापति सहित अन्य समर्पित कार्यकर्ता ! इस अभियान ने केवल मुंबई तक सीमित न रहकर पनवेल, बेलापुर, नालासोपारा, हिसार (हरियाणा), रुड़की (उत्तराखंड), दिल्ली आदि शहरों तक अपना प्रभाव छोड़ा। वहाँ भी स्थानीय टीमों ने वृक्षारोपण कर इस राष्ट्रीय संकल्प को मजबूती दी। आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और वनों की कटाई जैसी समस्याएं हमारे जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में यदि हर नागरिक केवल एक पौधा भी जीवन में रोपित करे और उसकी देखभाल करे, तो हम आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण दे सकते हैं। एक छोटा सा पौधा– न सिर्फ ऑक्सीजन देगा, बल्कि छाया, हरियाली और जीवन भी लौटाएगा। यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है। पेड़ लगाना कोई काम नहीं, यह एक संस्कार है। जो आज बोएंगे, वो कल आने वाली पीढ़ियों को जीवन देंगे ह्व सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट एवं तथास्तु संस्था आप सभी नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं संस्थाओं से अपील करती है कि वे इस हरियाली संकल्प का हिस्सा बनें और कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं।

# तेज रफ़्तार दो पहिया वाहन खड़ी ट्रक में घुसी,मौके पर एक की मृत्यु दूसरा गंभीर

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बीजपुर-मुर्धवा मार्ग पर रविवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दर्दनाक हादसा म्योरपुर के पतेरीटोला के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से पीछे से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक बेहद तेज गति में थी और बाइक सवारों ने हेलमेट भी नहीं पहना था, जिसके चलते हादसे की गंभीरता और बढ़ गई।

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को पिंडारी, थाना बीजपुर निवासी जितेंद्र यादव (30) पुत्र लालजी यादव और सिकंदर गोड़ (32) पुत्र शिवप्रसाद गोड़ अपनी बाइक से म्योरपुर की ओर आ रहे थे। पतेरीटोला पहुंचते ही उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में जा घुसी। इस हृदय विदारक दुर्घटना में सिकंदर गोड़ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

वहीं, गंभीर रूप से घायल जितेंद्र यादव को पुलिस और एंबुलेंस की मदद से तत्काल सीएचसी म्योरपुर में भर्ती कराया गया। वहां मौजूद चिकित्सक डॉ. पल्लवी सिन्हा ने प्राथमिक उपचार के बाद जितेंद्र की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। म्योरपुर पुलिस ने सिकंदर गोड़ के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह दुर्घटना एक बार फिर तेज रफ्तार और हेलमेट न पहनने के खतरों को उजागर करती है।

# जौनपुर कांग्रेस नेता देवराज पांडेय का भांडुप में सम्मान

मुंबई। जौनपुर कांग्रेस उपाध्यक्ष देवराज पांडेय के मुंबई आगमन पर भांडुप कांग्रेस के नेताओं ने जोरदार स्वागत किया जिसका आयोजन समाज सेवी डॉ सचिन सिंह ने कादम्बरी क्लिनिक पर किया। पीसीसी विजय पांडेय, मंगला शुक्ला ने वक्तव्य में मंगला शुक्ला ने पांडेय के कार्यों कि सराहना करते हुए पांडेय के सेवादल से लेकर अब तक के सफर की प्रशंसा किए। स्वागत समारोह में मंगला शुक्ला डॉ सचिन सिंह, बाबू निषाद (ब्लॉक अध्यक्ष), सुधाकर मिश्रा, राकेश शुक्ला अजय पटेल (ब्लॉक अध्यक्ष), अनिल कुमार पांडेय अतुल पांडेय ओमप्रकाश शुक्ला ने शाल एवं पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया। अंत में पांडेय ने आए हुए कांग्रेस जन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज भांडुप के लोगों का स्नेह प्यार पा कर मैं बहुत अभीभूत हूं।

# वसई पश्चिम को मिला एक नया सुरक्षा कवच

## नवनिर्मित फायर स्टेशन का शिलान्यास समारोह संपन्न

-नरेन्द्र सोनी

वसई रोड। आज वसई विधानसभा क्षेत्र के वसई गांव के पास स्थित नर्सरी वाघ जी.जी. कॉलेज में वसई विरार शहर नगर निगम के नवनिर्मित फायर स्टेशन का शिलान्यास समारोह वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस फायर स्टेशन की स्थापना वसई पश्चिम के नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कदम है, जो आपातकालीन स्थितियों में तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करेगा। इस समारोह में वसई शहर मंडल अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दारीवाला, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी, जी. जी. कॉलेज के प्राचार्य विभुते सर, नंदकुमार महाजन, मुकुंद मुल्ये,

बिजेंद्र कुमार, किरण पाटिल, मनमित राऊत, श्रीमती राजल नाइक, प्रतीक चौधरी, श्रीमती प्रमिला गिर, श्रीमती शालिनी डिसूजा, श्रीमती कविता खानविलकर, अनिल राऊत, मयूर नाइक, रिशाल म्हात्रे, चंद्रकांत वाजे, नितिन ठाकुर तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। यह फायर स्टेशन वसई पश्चिम के लिए एक सशक्त सुरक्षा अवसंरचना का प्रतीक बनेगा और आने वाले समय में जनहित में अहम भूमिका निभाएगा।

# एक और लाइब्रेरी का हुआ शुभारंभ

चिराना। चिराना कस्बे में गणेश मंदिर के पास सीकर रोड़ स्थित नव निर्मित श्री कल्याण हाइट्स कॉम्प्लेक्स में आज के शुभ मुहूर्त में एस के स्टडी पॉइंट का शुभारंभ बागोरिया ढाणी के ग्राम प्रशासक राजेंद्र सैनी सरपंच की गरिमा मय उपस्थिति में हुआ। स्टेट हाइवे वे पर बना यह कैरियर प्वाइंट दूर ढाणियों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए सुगम पड़ेगा और हाई स्पीड वाई फाई की सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे भी सुविधा और निगरानी के लिए यहां लगाए गए हैं। जानकारी देते हुए संचालिका श्रीमती बबीता सैनी ने बताया कि विद्यार्थियों के पढ़ने हेतु यहां का वातावरण अनुकूल और वातानुकूलित है। वेल फर्निश्ड होने के साथ ही यहां बैठने के लिए आरामदायक चेयर्स लगाई गई है। जिस पर बिना थके घंटों तक बैठ अध्ययन किया जा सकता है। साथ ही एक सेफरेट रूम भी अटैच तैयार किया गया है। जिसमें बैठकर विद्यार्थी चाय पानी व नाश्ता कर सकतें है।यहां की बबीता ने बताया कि समय समय पर यहां मोटिवेशनल स्पीच व कैरियर को लेकर भी समसामयिक जानकारियां दी जाती रहेगी। शुभारंभ के मौके पर कुल्डा राम कल्याण,सोहनलाल सैनी,बद्री चायवाला, मदन ड्राइवर, सेवानिवृत गोविंद कल्याण, वार्ड पंच बीरबल सैनी, गणेश मेडिकल के प्रो. चेतन कुमावत, राकेश कुमावत,विकास कुमावत, बुधवारी लाल, सुनीता कल्याण, अध्यापक महिपाल कल्याण, हनुमान प्रसाद, ताराचंद सैनी व पंकज सैनी सहित दर्जनों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# वागासन ग्राम पंचायत के नव निर्वाचित सरपंच का मुंबई में भव्य स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गुजरात में हाल ही में हुए पंचायत चुनाव में वागासन ग्राम पंचायत के नव निर्वाचित सरपंच मनसुख भाई का मुंबई आगमन पर समाज के लोगों द्वारा उनके व्यवसायी कार्यालय में हार्दिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। इस स्वागत समारोह में समाज के कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। जिनमें विशेष रूप से राजस्थान के कोड सरपंच किशनलाल प्रजापत, गौतम प्रजापत, खुमाराम प्रजापत, दिनेश प्रजापत (केरिया), रमेश भाई प्रजापत, नरसीराम चौधरी, मेवाराम प्रजापत, चेनाराम, प्रभुराम, पोपटलाल एवं पांचाराम प्रजापत उपस्थित थे। समाज के सभी सदस्यों ने मनसुख भाई को उनके नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

# पीएमआई ने तंबाकू के अवैध व्यापार को समाप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

**मुंबई।** फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) की भारतीय कंपनी, आईपीएम इंडिया, ने विश्व नकली-विरोधी दिवस पर अवैध तंबाकू व्यापार को रोकने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस तीन-तरफा प्रयास का लक्ष्य राजस्व हानि को रोकना, अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करना और उत्पाद की गुणवत्ता सुरक्षित करना है। भारत सरकार के हाल के पैक-लेवल ट्रैक एंड ट्रेस (टीएंडटी) तकनीक लागू करने के महत्वपूर्ण निर्णय के साथ, पीएमआई की प्रतिबद्धता नियमों को मजबूत करने और नकली तंबाकू उत्पादों से निपटने के लिए एक सहयोगी भविष्य की ओर इशारा करती है। भारत सरकार नकली और अवैध उत्पादों को असली उत्पादों से अलग करने के लिए नियमों को और मजबूत कर रही है। साथ ही, अवैध तंबाकू व्यापार के पूरे प्रभाव को समझना भी जरूरी है। यूरोमॉनिटर और डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार, सिगरेट दुनिया में सबसे ज्यादा अवैध व्यापार वाली वस्तुओं में से एक है। पीएमआई के अनुमान के मुताबिक, कुल सिगरेट बिक्री का 14-15% (चीन और अमेरिका को छोड़कर) काले बाजार से आता है। भारत में लगभग 120 मिलियन लोग तंबाकू का सेवन करते हैं, और यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता अवैध सिगरेट बाजार है, जहां तस्करी की गई सिगरेट घरेलू सिगरेट उद्योग का एक-चौथाई हिस्सा हैं। आईपीएम इंडिया के प्रबंध निदेशक नवनील कर ने कहा, ह्लपीएमआई भारत में अवैध तंबाकू व्यापार को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम भारत सरकार के ट्रैक एंड ट्रेस (टीएंडटी) तकनीक शुरू करने के फैसले की सराहना करते हैं, जो नियमों में बड़े बदलाव की शुरूआत करता है। सही ढंग से लागू करने पर, यह टीएंडटी सिस्टम लोगों का भरोसा बढ़ाएगा, राजस्व की रक्षा करेगा, और तंबाकू बाजार में पारदर्शिता और जवाबदेही लाएगा।

# बिहार की बेटियां बन रही 'सक्षम', दीक्षांत समारोह में मिला प्रमाण पत्र

हाजीपुर। बिहार के वैशाली (हाजीपुर) में आज सक्षम परियोजना के तहत प्रशिक्षित महिलाओं का दीक्षांत समारोह और नई प्रशिक्षण बैच का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। यह महिला-केंद्रित कौशल विकास पहल हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के सहयोग से और ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल द्वारा संचालित की जा रही है। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि चिराग पासवान, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उनके साथ स्थानीय विधायक अवधेश सिंह, विवेक कुमार, एमडी व सीईओ, विजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, हीरो मोटोकॉर्प और एएसडीसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस अवसर पर ऑटोमोटिव टेली कॉलिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल सर्विस असिस्टेंट, और ऑटोमोटिव सेल्स एग्जीक्यूटिव जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, साथ ही नए बैच का स्वागत भी किया गया।